संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 256
पृष्ठ 8
बुधवार
05 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हल्दी का तेल त्वचा और बालों...

विचार- अब नतीजों का इंतजार

खेल- टी२० वर्ल्ड कप में आयरलैंड के ि...

पीएम मोदी ने वाराणसी से लगायी जीत की हैट्रिक

● इस बार जीत का अंतर हुआ कम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा सीट 1.5 लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीती है, जो 2019 से भारी गिरावट है। मोदी को 6,12,970 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी, कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय को 4,60,457 वोट मिले। मोदी ने वाराणसी लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। लेकिन इस बार उनके जीत के अंतर में खासी गिरावट आयी है। उन्होंने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा की शालिनी यादव को चार लाख 79 हजार 505 मतों से हराया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अरविंद केजरीवाल को तीन लाख 71 हजार 784 मतों से पराजित किया था। वहीं, पिछले लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में चिर प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन करके बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 10 सीट जीती थी, लेकिन इस बार मायावती की अगुवाई वाली पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली है, जिससे राज्य में दलितों की आवाज का प्रतिनिधित्व करने की इसकी प्रतिष्ठा को गहरा धक्का लगा है। बसपा ने जिस तरह से उम्मीदवारों का चयन किया था, उससे विपक्षी समूह की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने की कोशिश झलकती थी, लेकिन समाजवादी पार्टी का राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना और उसके साथ साझेदारी में कांग्रेस का बेहतर प्रदर्शन दर्शाता है कि मायावती का चुनावी आकर्षण खत्म हो गया है। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश में कई लोकसभा क्षेत्रों में जिला अधिकारियों पर परिणाम बदलने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''उत्तर प्रदेश के महाराजगंज, बांसगांव, मेरठ, मुज़फ़्फ़रनगर सीटों पर ज़िला अधिकारियों को फ़ोन करके सीटें जिताने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।''

अयोध्या में बीजेपी के काम नहीं आए राम! बड़े अंतर से पीछड़े लल्लू सिंह

फैजाबाद,एजेंसी। भाजपा के 2019 के चुनावी घोषणापत्र में से एक अयोध्या में राम मंदिर था, और पार्टी ने इसे पूरा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने 22 जनवरी को मंदिर का भव्य उद्घाटन किया। उम्मीद थी कि बीजेपी राम मंदिर लहर पर सवार होगी। हालाँकि, शुरुआती रुझानों में भाजपा के लल्लू सिंह फैजाबाद में समाजवादी पार्टी (सपा) के अवधेश प्रसाद से पीछे चल रहे हैं, जिसके अंतर्गत अयोध्या आती है। यह सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक है क्योंकि फैजाबाद को भाजपा के लिए एक सुरक्षित सीट माना जाता था। हालांकि, सपा न सिर्फ संसदीय क्षेत्र में बल्कि उत्तर प्रदेश की 35 से ज्यादा सीटों पर आगे चल रही है। अधिकांश चुनाव विशेषज्ञों ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी की भारी जीत की भविष्यवाणी की है, लेकिन शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि बीजेपी 300 से नीचे सिमट सकती है। इंडिया ब्लॉक लगभग 230 सीटों पर आगे है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में बीजेपी को झटका लगा है। ये वो राज्य थे जहां एग्जिट पोल में बीजेपी को बड़ी जीत मिलने का अनुमान लगाया गया था। इंडिया ब्लॉक उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में अग्रणी है। बीजेपी बहुमत का आंकड़ा पार कर सकती है लेकिन उसे उम्मीद से कम सीटें मिल सकती हैं। अखिलेश यादव और राहुल गांधी को आखिरी बार 2017 के उत्तर प्रदेश चुनावों के लिए एक साथ प्रचार करते देखा गया था, लेकिन जब नतीजे आए, तो भाजपा को 302 सीटें मिलीं और कांग्रेस–सपा गठबंधन सिर्फ 47 सीटें जीत सका।

सरकार बनाने के सवाल पर चुप रहे राहुल गांधी, कहा-

देश को चलाने का मोदी का तरीका लोगों को पसंद नहीं आया

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम पकड़ी गई खुफिया एजेंसियों, आधी न्यायपालिका के खिलाफ लड़ रहे थे। लड़ाई संविधान बचाने की थी। राहुल ने कहा कि मैं संविधान को बचाने के लिए हाथ मिलाने के लिए अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और इंडिया ब्लॉक के नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम एक साथ आने के लिए अपने गठबंधन सहयोगियों का सम्मान करते हैं। यह नरेंद्र मोदी के लिए एक बड़ा संदेश है कि लोगों को आपका देश चलाने का तरीका पसंद नहीं आया। राहुल ने कहा कि हमने यह चुनाव सिर्फ बीजेपी के खिलाफ नहीं बल्कि संस्थानों, देश की शासन संरचना, खुफिया एजेंसियों सीबीआई और ईडीआई, न्यायपालिका के खिलाफ भी लड़ा क्योंकि इन सभी संस्थानों पर अमित शाह और नरेंद्र मोदी ने कब्जा कर लिया था। सरकार बनाने को लेकर उन्होंने कहा कि हम कल अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ बैठक करेंगे। वहां ये सवाल उठाए जाएंगे और जवाब दिए जाएंगे। हम अपने गठबंधन सहयोगियों से पूछे बिना कोई बयान नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि हम कल अपने भारतीय गठबंधन सहयोगियों के साथ एक बैठक करने जा रहे हैं. .. हम अपने गठबंधन सहयोगियों का सम्मान करते हैं और हम उनसे पूछे बिना प्रेस में बयान नहीं देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने रायबरेली और वायनाड से जीत हासिल की है और मैं मतदाताओं को धन्यवाद देता हूं। मुझे यह तय करना है कि मैं कौन सी सीट बरकरार रखूंगा। मैंने अभी तक फैसला नहीं किया है। राहुल ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश की जीत में मेरी बहन प्रियंका गांधी का भी बड़ा रोल है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब तक हम अपने गठबंधन सहयोगियों और उनके साथ गठबंधन करने जा रहे नए सहयोगियों से बात नहीं करते, हम उनसे भी बात करेंगे और देखेंगे कि हम बहुमत कैसे बना सकते हैं। अगर मैं सारी रणनीतियां यहां बता दूं तो मोदीजी चतुर हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से अपना नाम हटा लें मोदी : अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि आम चुनाव में न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 370 सीट मिल पाएंगी और न ही राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीट मिलेंगी ऐसे में नरेन्द्र मोदी को अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से अपना नाम

हटा लेना चाहिए। मतगणना के रुझानों के बीच गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''अब यह स्पष्ट हो गया है कि न तो भाजपा को 370 सीट मिल पाएंगी और न ही राजग को 400 सीट मिलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भाजपा को स्पष्ट बहुमत भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में नरेन्द्र मोदी को अपना नाम अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से हटा लेना चाहिए।'' गहलोत के कहा, ''वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी तरह अपने ऊपर केन्द्रित किया। प्रचार में मोदी की गारंटी, फिर से मोदी सरकार जैसे जुमले सुनाई और दिखाई दिए। यहां तक की प्रत्याशियों को दरकिनार कर पूरा चुनाव मोदी की गारंटी के नाम पर चला।'' उन्होंने कहा कि चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी, समाज में बढ़ता तनाव जैसे मुद्दे गौण हो गए और केवल मोदी–मोदी ही सुनाई देने लगा।

नहीं बाहर आ पाएंगे मनीष सिसोदिया, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत खारिज कर दी याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज मामलों में आप नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर विचार करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा क्रमशः अपनी अंतिम अभियोजन शिकायत और आरोप पत्र दाखिल करने के बाद सिसौदिया जमानत के लिए अपनी याचिकाएं फिर से शुरू कर सकते हैं। अभियोजन की शिकायत ईडी के आरोप पत्र के बराबर है।

जुलाई माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान बिजनौर की डॉ पूनम चौहान जी को दिया जाएगा

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति

सम्मान जुलाई 2024 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी बिजनौर इकाई की डॉ पूनम चौहान जी को दिया जाएगा। डॉ पूनम चौहान जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

उठ गई नीतीश कुमार को पीएम बनाने की मांग

● जदयू नेता बोले- उनसे बेहतर कौन हो सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सामने आए रुझानों के मुताबिक भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करती हुई नहीं दिखाई दे रही है। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला है। एनडीए में इस बार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू इस वक्त एनडीए को सरकार बनाने के लिए काफी अहम होंगे। दावा किया जा रहा है कि इंडिया गठबंधन की ओर से भी इनसे संपर्क करने की कोशिश हो रही है। इन सब के बीच जदयू की ओर से नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर दी गई है। बिहार में अब तक नीतीश कुमार की पार्टी जदयू 16 में से 14 सीटों पर आगे चल रही है। जदयू का परफॉर्मेंस इस बार बढ़िया है। जेडीयू एमएलसी डॉ खालिद अनवर ने कहा कि नीतीश कुमार से बेहतर पीएम कौन हो सकता है?... नीतीश कुमार एक अनुभवी राजनेता हैं जो समाज और देश को समझते हैं। और वह सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी तो एनडीए गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन पहले और आज भी लोग चाहते थे कि नीतीश कुमार पीएम बनें, आज के नतीजे के बाद लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। चूंकि इंडिया ब्लॉक और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सीटों की संख्या के बीच का अंतर उम्मीद से कम था, कांग्रेस ने चतुराई से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं को प्रस्ताव भेजा। नीतीश कुमार की जेडीयू बिहार में जिन 16 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी उनमें से 14 पर आगे थी। उम्मीद थी कि चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी भी इसी तरह का प्रदर्शन करेगी।

मोदी जी को देश की जनता ने दे दिया फेयरवेल: संजय राउत

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अयोध्या, फैज़ाबाद में भाजपा हार गई। देश की जनता ने नरेंद्र मोदी जी को नकारा है, उन्हें फेयरवेल दिया है। 2024 में भाजपा को बहुमत नहीं मिला है। राहुल गांधी का नेतृत्व और राज्यों का प्रदर्शन, चाहे ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, अखिलेश यादव , तेजस्वी जी, सभी ने जी जान से मेहनत की और मोदी–शाह के अहंकार को खत्म किया। मैं दावे के साथ कहता हूं मोदी जी सरकार नहीं बन रही है। अब ये तोड़–फोड़ करके सरकार बनाने की कोशिश करेंगे तो जनता सड़क पर उतरेंगे। भाजपा के लिए अयोध्या पर दावा करना दूर की कौड़ी लग रहा है क्योंकि नवीनतम मतगणना रुझानों के अनुसार, पार्टी को फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बीजेपी प्रत्याशी लल्लू सिंह समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद से 20 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से पीछे चल रहे हैं।

प्रदेश के लोगों ने एक बार भाजपा को दिया जनादेश: हिमांचल भाजपा प्रमुख

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की सभी चार लोकसभा सीट पर भाजपा के आगे रहने के बीच प्रदेश पार्टी अध्यक्ष राजीव बिंदल ने मंगलवार को कहा कि लोगों ने एक बार फिर उनकी पार्टी को जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की 'बड़ी हार' है जो अपनी सरकार के अब तक के 18 महीने के कार्यकाल में 'लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने में विफल' रहे हैं। बिंदल ने यहां जारी वीडियो संदेश में कहा कि राज्य में कांग्रेस

सरकार द्वारा अपनी सत्ता का 'दुरूपयोग' किए जाने के बाद भी भाजपा हिमाचल प्रदेश में सभी चार सीट पर आगे है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार ने धनबल का इस्तेमाल किया, कर्मियों को धमकी दी, भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ फर्जी मामले दर्ज किये लेकिन उसके बाद भी भाजपा प्रत्याशी राज्य में सभी चार लोकसभा सीट जीत रहे हैं। मंडी में भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य से 70,178 मतों से आगे हैं वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हमीरपुर सीट पर कांग्रेस के सतपाल रायजादा से 1,55,840 मतों से आगे हैं। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और निवर्तमान सांसद सुरेश कश्यप शिमला में 85,465 मतों से तथा भाजपा प्रत्याशी राजीव भारद्वाज कांगड़ा में 2,33,512 मतों से आगे हैं।

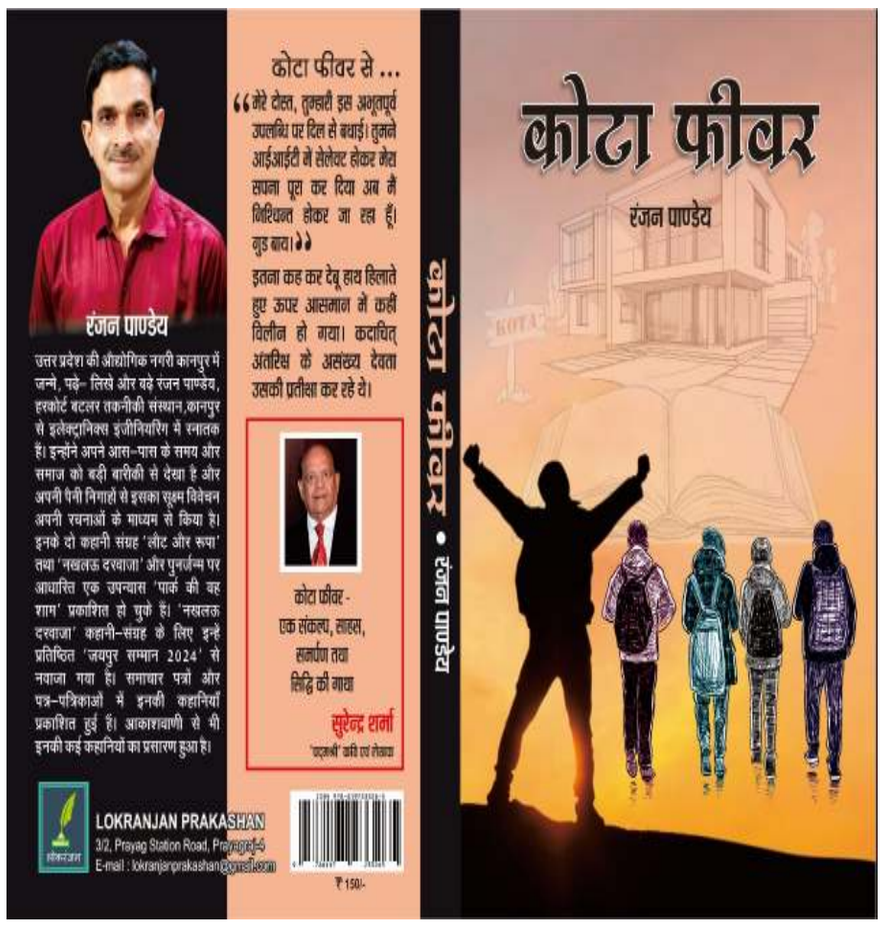

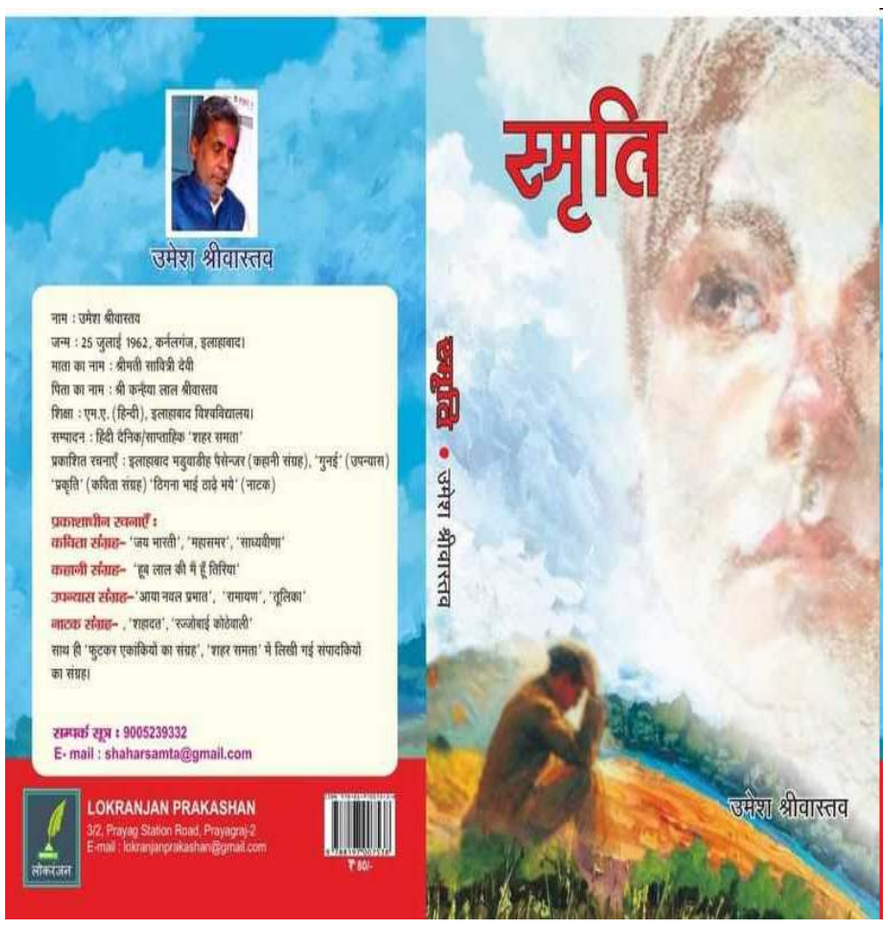

प्रयागराज में कॉन्स्टेबल ने 10 सेकंड में बचाई जान

प्रयागराज। प्रयागराज में चलती ट्रेन पर चढ़ने की कोशिश में महिला और युवक का पैर फिसल गया। दोनों ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गए। उन्हें देखकर प्लेटफार्म पर मौजूद यात्री चीखने–चिल्लाने लगे। तभी आरपीएफ जवान की उन पर नजर पड़ी। 10 सेकंड के अंदर जवान ने महिला और युवक को खींचकर उनकी जान बचा ली। पूरी घटना प्लेटफार्म पर लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। 31 मई दोपहर 3.51 बजे हुई इस घटना का वीडियो अब सामने आया है।

आरपीएफ जवान की मदद के लिए यात्री भी दौड़े

रेलवे सुरक्षा बल के कॉन्स्टेबल मान सिंह प्रयागराज जंक्शन पर ड्यूटी पर तैनात थे। प्रयागराज–भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 14117) 15:50 बजे प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर– 6 से रवाना होने लगी।

इस दौरान कुछ यात्री चलती गाड़ी में चढ़ने की कोशिश करने गले। ट्रेन में चढ़ने के लिए एक महिला और युवक भी दरवाजे का हैंडल पकड़कर लटक गए। तभी उनका पैर फिसल गया। दोनों ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गए। उस समय आरपीएफ जवान मान सिंह वहीं खड़े थे।

घटना दोपहर 3.51.03 बजे की है। लोगों का शोर सुनकर मान सिंह दौड़े। उन्होंने पहले ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसे युवक को खींचा। इस बीच यात्री भी दोनों को बचाने के लिए आगे बढ़े। कॉन्स्टेबल ने 10 सेकंड के अंदर 3.51.13 बजे यात्रियों की मदद से महिला को भी खींचकर बचा लिया। इसी दौरान किसी यात्री ने चेन पुलिंग कर गाड़ी को रोक दिया। महिला यात्री प्रयागराज से कन्नौज जा रही थी। दोनों यात्रियों को हल्की चोट आई है।

प्रयागराज में कांग्रेस से उज्जवल रमण सिंह जीते

60 हजार वोटों से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को हराया

प्रयागराज। प्रयागराज के मुंडेरा सब्जी मंडी में वोटों की काउंटिंग के बाद लोकसभा चुनाव में जीत और हार का ग्राफ अब साफ दिखाई देने

लगा है। इलाहाबाद सीट पर कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह की जीत होते दिखाई दे रही है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को 60 हजार वोटों से हराया है। हालांकि अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। दोपहर में 20 वें राउंड की मतगणना के बाद ही इलाहाबाद सीट से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी की पत्नी कविता यादव त्रिपाठी ने हार मान ली थी। उन्होंने फेसबुक पेज पर पोस्ट किया। लिखा– क्या हार में क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत में, संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही.. वह भी सही।

इलाहाबाद में 27 राउंड की गिनती

इलाहाबाद सीट के तहत इलाहाबाद दक्षिण, बारा और कोरांव विधानसभा क्षेत्र की मतगणना 27 राउंड में पूरी होगी। विधानसभावार 14–14 टेबल लगाए गए हैं और हर टेबल पर तीन मतगणना कर्मी हैं। साथ ही एक टेबल त्न का बनाया गया है। पोस्टल बैलेट के जरिये पड़े मतों की गिनती के लिए विधानसभावार आरओ के पास एक टेबल लगाया गया है और एक टेबल पर 500 बैलेट पेपर रखे गए हैं। बैलेट पेपर की गिनती के लिए टेबल पर चार मतगणना कर्मियों की तैनाती की है। सबसे पहले पोस्टर–बैलेट से पड़े मतों की गणना की शुरू की जाएगी। विधानसभावार अलग–अलग चक्रों में मतगणना होगी।

थ्री लेयर में मतगणना स्थल की सुरक्षा

मतगणना स्थल पर थ्री लेयर की सुरक्षा के चक्रव्यूह को इनर काडर, मिडिल काडर और आउटर काडर में बांट दिया गया है। इनर काडर में पैरामिलिट्री फोर्स रहेगी। मिडिल काडर में पीएसी के जवान तैनात रहेंगे और आउटर काडर में सिविल पुलिस की तैनाती की जाएगी। सुरक्षाकर्मी हमेशा मुस्तैद रहेंगे।

200 मीटर दूर खड़े होंगे वाहन : स्ट्रांग रूम समेत पूरे मतगणना स्थल को सीसीटीवी से लैस कर दिया गया है। मतगणना स्थल पर आने वाले लोगों के वाहन 200 मीटर दूर ही खड़े किए जाएंगे। पुलिस अफसर और जिला निर्वाचन अधिकारी बीच–बीच में निरीक्षण कर तैयारियों को परखेंगे।

ये चीजें मतगणना स्थल पर नहीं ले जा सकेंगे

मतगणना केंद्र के अंदर जाने वालों की बाकायदा चेकिंग की जाएगी। अंदर मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। यदि कोई मोबाइल लेकर आएगा तो उसे मतगणना स्थल के बाहर ही रखना होगा। इसी तरह हथियार, ज्वलनशील पदार्थ ले जाना भी प्रतिबंधित रहेगा।

प्रत्याशी और इलेक्शन एजेंट्स को ही मिलेगी एंट्री

मतगणना स्थल पर सुरक्षा के बेहद कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। मतगणना के इनर सर्किल में सिर्फ प्रत्याशी और उनके इलेक्शन एजेंट ही जा सकेंगे। मतगणना कर्मियों के अलावा मतगणना ड्यूटी में लगे अधिकारी भी यहां जा सकेंगे। इसके अलावा इनर सर्किल में बाकी किसी को जाने की अनुमति नहीं होगी।

विजय जुलूस निकालने पर होगी कार्रवाई

जीतने वाला प्रत्याशी और उसके समर्थकों के विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध होगा। मतगणना स्थल के आसपास भीड़ नहीं जुटने दी जाएगी। इसके लिए पुलिस ने विशेष प्रबंध किए हैं। पुलिस की ओर से काउंटिंग वाले दिन सुबह 5 बजे से ही पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया जाएगा

सपा को मतगणना में बेमानी का शक, आंदोलन को चेताया

प्रयागराज। प्रयागराज में इलाहाबाद संसदीय सीट और फूलपुर सीट पर मतगणना की तैयारियों के बीच सपा नेताओं को बेमानी कराए जाने का शक है। सपा नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी आशंका जताई। कहा प्रशासन की मदद से भाजपा गिनती प्रभावित करेगी। सपा नेताओं ने एक तरह से चेताया कि वह लोकतंत्र बचाने के लिए हर कदम उठाएंगे। यहां तक की आंदोलन की चेतावनी भी दी। प्रेस वार्ता में भाजपा की नीयत पर सवाल खड़ा करते हुए लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा के लिए चौथे स्तम्भ मीडिया जगत को भी मदद में आगे रहने की अपील की। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के निर्देश पर स्थानीय सपा नेताओं ने पत्रकार वार्ता करके पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा सोशल मीडिया पर जारी बयान और आशंका का हवाला दिया। कहा कि मीडिया का एक वर्ग एग्जिट पोल के बहाने देश की जनता को गुमराह कर रहा है। सपा ने आरोप लगाया कि ऐसा भाजपा के इशारे पर किया जा रहा है। जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है। सपा नेताओं ने कहा कि इंडिया गठबंधन के मतगणना अभिकर्ता पूरी तरह से प्रशिक्षण प्राप्त हैं और मुस्तैद रहकर मतगणना कराएंगे। बैलेट पेपर की गणना पहले कराए जाने की मांग की गई। सपा नेताओं ने कहा है कि जनपद कि सभी 12 विधानसभाओं मे गठबंधन के सक्रिय और जागरूक कार्यकर्ता जिसमें अधिवक्ता, शिक्षक एवं सेवानिवृत्त सैनिक आदि शामिल हैं, मतगणना अभिकर्ता के रूप मे हर सीट पर तैनात रहेंगे। जिलाध्यक्ष अनिल यादव, पप्पूलाल निषाद, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव, हाकिम लाल बिन्द, संदीप पटेल, गीता शास्त्री, मुजतबा सिद्दीकी, संदीप यादव आदि ने अपनी बात रखी।

भाजपाई उत्साहित, सपा–कांग्रेसी अग्रेसिव

प्रयागराज। तमाम आशंकाओं के बीच प्रयागराज में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से निपट गया। अब मतगणना को लेकर हो हल्ला, हंगामा और बवाल को लेकर अफवाहें हैं। खासकर एक्जिट पोल आने के बाद भाजपा समर्थक फूले नहीं समा रहे और उत्साह में विजय जुलूस आदि की तैयारी में जुट गए हैं। जबकि सपा और कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के समर्थक अग्रेसिव हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनका अलग नजरिया है। रिजल्ट चाहे जो हो लेकिन तैयारी राजनीतिक दलों ने पूरी कर रखी है। हर कोई अपनी जीत के प्रति उम्मीद लगाए है, विपक्षी दलों के समर्थकों को लगता है है कि मतगणना में हेरफेर की गुंजाइश है, ऐसा उनकी पार्टी के सुप्रीमो आशंका जता चुके हैं। ऐसे में मतगणना स्थल मुंडेरा मंडी पर हंगामे की बानगी तैयार है। हालांकि प्रयागराज कमिश्नरेट और प्रशासन अपनी तैयारी में फुलप्रूफ कर रहा है।

फोर्स पूरी तरह तैयार, निगरानी शुरू : पुलिस फोर्स के साथ ही पैरामिलिट्री भी तैयार है। किसी को भी हंगामा और बवाल करने पर कड़ी कार्रवाई का सामना करना होगा। मुंडेरा मंडी के अंदर के साथ पूरे इलाके को छावनी में तब्दील करने की तैयारी है। ऐसा 3 जून की शाम से हो जाएगा। प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस अपनी साख और बदनामी बचाने को सुरक्षा के मद्देनजर हर कदम उठा रही है। इसके लिए पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा 8 आईपीएस और पैरामिलिट्री कमांडेंटों के साथ तीन बैठक कर चुके हैं।

वेटिंग में पोस्टमॉर्टम, डॉक्टर भी बीमार

गर्मी से मौतें, प्रयागराज में 5 दिन में पहुंचे 93 शव, कानपुर में जगह नहीं, 3 शहरों में हालात बिगड़े

प्रयागराज। यूपी में भीषण गर्मी और तपन जानलेवा हो चुकी है। चलते–फिरते लोग बेहोश होकर गिरते हैं और अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। बलिया में पोलिंग बूथ पर खड़े–खड़े बुजुर्ग की जान चली गई। गाजियाबाद में सड़क पर चलते हुए युवक गिरा और मौत हो गई। प्रदेश में पिछले 5 दिनों में (रविवार तक) 211 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। एक साथ हो रही इतनी मौतों के कारण पोस्टमॉर्टम हाउस फुल हैं। घाटों पर शव रखने की जगह नहीं है। पोस्टमॉर्टम और शव जलाने की लंबी वेटिंग चल रही है। प्रयागराज में 5 दिन में 93 शव पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। कानपुर में 58 शव पहुंचे। वहीं वाराणसी में नॉर्मल दिनों के मुकाबले पोस्टमॉर्टम हाउस और घाटों पर कहीं ज्यादा शव पहुंचे।

प्रयागराज, कानपुर और वाराणसी के पोस्टमॉर्टम हाउस से रिपोर्ट की। टीम ने वहां के हालात देखे, कैसे भीषण बदबू के बीच पोस्टमॉर्टम हो रहा और लगातार लावारिस शव पहुंच रहे हैं।

प्रयागराज– 5 दिन में 93 शव पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे।

कानपुर– 5 दिन में 58 शव पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे।

प्रयागराज पोस्टमॉर्टम हाउस रू गर्मी की वजह से शव फूल रहे

सबसे पहले प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल कैंपस में बने पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची। पोस्टमॉर्टम हाउस में बदबू इतनी थी कि हमें मुंह पर कपड़ा बांधना पड़ा। लग रहा था, कुछ सड़ गया है। यहां पर पिछले 3 दिनों में रोज के मुकाबले शवों की संख्या दोगुना बढ़ गई है। हालत ये है कि कोल्ड चौंबर पूरा भर चुका है। पोस्टमॉर्टम हाउस के कैंपस में बाहर शवों को जमीन पर रखा जा रहा है।

जो लोग शवों के साथ आए हैं, वो किसी तरह से अपने परिजनों के शवों के पास बैठकर दिन काट रहे हैं। गर्मी की वजह से शव फूल रहे हैं, उनमें से पानी निकल रहा है। इतनी तेज बदबू आ रही है कि सांस लेना मुश्किल है। लोग लगातार मुंह पर रुमाल रखे हुए हैं। करीब 500 मीटर के एरिया में बदबू की वजह से लोग आपस में बात तक नहीं कर पा रहे। एक कूलर शवों को ठंडा रखने के लिए बाहर लगाया गया है, लेकिन इतनी गर्मी में वो भी आग फेंक रहा है। काली पन्नी में लिपटे शवों को ठंडा रखने के लिए उनके परिजन कपड़े गीले करके उन पर डाल रहे हैं। लेकिन भीषण गर्मी में सब कुछ बेकसर हो रहा है।

जमीन इतनी गर्म है, हम लोगों के पैर जलने लगते हैं

जो लोग शवों के साथ आए हैं, उनका कहना है– यहां बैठने के बाद कुछ भी खाने–पीने का मन नहीं कर रहा। ऊपर से गर्मी ने जीना मुश्किल कर दिया है। हम लोग तो धूप से बचने के लिए पेड़ या फिर छत का सहारा ले रहे हैं। लेकिन यहां भीड़ इतनी ज्यादा है कि वह जगह भी कम पड़ रही है। जो कपड़े हम पहने हैं, वो पसीने से कड़े हो गए हैं। दिन भर थोड़ी सी छांव में कहीं बैठ जाते हैं। अगर लेटना पड़ता है तो कोई ऐसी जगह ढूंढते हैं जो धूप में तपी न हो। जमीन इतनी गर्म है कि हम लोगों के पैर जलने लगते हैं। एक तो पहले अपनों को खोने का दर्द है, फिर मरने के बाद उनकी ऐसी हालत देखी नहीं जा रही।

रात में 10 बजे तक हो रहे पोस्टमॉर्टम

पोस्टमॉर्टम हाउस में काम करने वाले एक कर्मचारी ने बताया– प्रयागराज के पोस्टमॉर्टम हाउस में रोजाना औसतन 8 से 10 लाशें आती थीं। लेकिन अब एक दिन में 27 लाशों का पोस्टमॉर्टम हम लोगों ने पहली बार देखा है। पोस्टमॉर्टम करने का समय सूर्यास्त तक ही होता है। लेकिन इतने ज्यादा शव आ रहे कि रात 10 बजे तक यहां के कर्मचारी–डॉक्टर पोस्टमॉर्टम करने में जुटे रहते हैं। हम लोगों की हालत बहुत खराब है। इतनी गंदगी हो जाती है कि साफ करते–करते मन अजीब हो जाता है। ऐसा लगता है, उल्टी हो जाएगी। इतनी मौतों का कारण गर्मी ही है। 1–2 लोगों की मौत बीमारी से हुई है।

पोस्टमॉर्टम करते समय डॉक्टर की तबीयत बिगड़ी

कर्मचारी ने बताया– जो भी शव यहां पर लावारिस आते थे, हम उनको कोल्ड चौंबर में रख देते थे। लेकिन कोल्ड चौंबर फुल होने की वजह से इन शवों को बाहर रखा गया है। 72 घंटे के बाद ही हम इनका पोस्टमॉर्टम कर सकते हैं। इस वजह से शव सड़ने लग रहे हैं। इन शवों का पोस्टमॉर्टम करते समय डॉक्टरों की हालत भी बहुत खराब हो जाती है।

भदोही से भाजपा प्रत्याशी विनोद कुमार बिंद जीते

टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 44698 वोट से हराया

ज्ञानपुर। भदोही लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी डॉ. विनोद कुमार बिन्द ने बड़े अंतर से जीत दर्ज कर ली है। डॉ. विनोद कुमार बिन्द ने इंडिया गठबंधन (टीएमसी) के उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को करीब 44 हजार मतों से पराजित किया है। बीजेपी के विनोद बिन्द को 458042 मत मिले। जबकि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी रहे ललितेश पति को 413708 वोट मिला है। बसपा के प्रत्याशी हरिशंकर उर्फ दादा चौहान को 154207 पाकर तीसरे स्थान पर रहे। रिटर्निंग ऑफिसर ने जीत के बाद डॉ. विनोद कुमार बिंद को प्रमाण पत्र सौंपा। भाजपा समर्थकों ने पटाखे फोड़े, एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर बीजेपी के जीत के बाद भाजपा समर्थक खुशी से झूम उठे हैं। ढोल–नगाड़े पर थिरकते नजर आए। डॉ. विनोद बिन्द ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भदोही की जनता को दिया है। कहा कि आशीर्वाद स्वरूप यह जनादेश देश की जनता ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए दिया है।

भदोही में 25वें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 29882 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है। भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 379378 मत। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 349496 मत।

भदोही में 17 वें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 29786 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है। भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 259134 मत। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 229348 मत।

भदोही में 16 वें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 28020 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है। भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 244732 मत। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 216712 मत।

भदोही में 15 वें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 26328 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है। भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 229911 मत। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 203583 मत।

भदोही में 13वें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 20621 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है। भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 199065 मत। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 178444 मत।

भदोही में नौवें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 21879 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 143447 मत।

टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 121568 मत।

भदोही में आठवें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 18795 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 126217 मत।

टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 107422 मत।

भदोही में सातवें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 18767 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 112300 मत। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 93533 मत।

भदोही में छठें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 20679 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 96846 मत।

टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी को 76167 मत।

भदोही में पांचवें राउंड की मतगणना

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द– 16083 मतों से आगे चल रहे है। टीएमसी उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी दूसरे नंबर पर है।

भदोही लोकसभा सीट का चौथा राउंड

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द 12863 मतों से आगे चल रहे है। दूसरे नम्बर पर टीएमसी से उम्मीदवार ललितेशपति त्रिपाठी है।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द को 65292 मत।

टीएमसी से उम्मीदवार ललितेशपति त्रिपाठी को 52429 मत।

भदोही में तृतीय राउंड की मतगणना में भाजपा प्रत्याशी डॉ. विनोद बिन्द – 9099 मतों से आगे चल रहे है। वही दूसरे नम्बर पर टीएमसी से उम्मीदवार ललितेश पति त्रिपाठी है।

मतगणना सुबह 8 बजे से शुरू हो गई, जो गणना पूरी होने तक जारी रहेगी। मतगणना के लिए 15 अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग आफिसर की नियुक्ति की गई है।

उत्तर मध्य रेलवे G20

पत्रांकः झांसी/एई/हैक्वा/एस-22/डी.एण्ड ए.आर दिनांक : 30.05.2024

गैर हाजिरी सूचना

श्री रविसागर पुत्र राजकुमार, ट्रैकमैन, अधीन एसएसई/पीवे/झाँसी यार्ड, मकान न0 23-1 मेहदौरी, पो0 तेलियरगंज, जिला - प्रयागराज उ0 प्र0 पिन - 211004 को सूचित किया जाता है, कि आप दिनांक 19.07.2023 से लगातार अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे हैं, आप इस सूचना के प्रकाशित होने की तिथि से 10 दिनों के अन्दर सहा0 मण्डल अभि0/मुख्यालय-1/झाँसी के कार्यालय में आवश्यक रूप से उपस्थित हो अन्यथा यह माना जायेगा कि आप आगे रेल सेवा नहीं करना चाहते हैं। जिसके कारण रेल प्रशासन को एकतरफा निर्णय लेने हेतु बाध्य होना पड़ेगा।

श्री रविसागर पुत्र राजकुमार,
मकान न0 23 - 1, मेहदौरी,
पो0 तेलियरगंज, जिला- प्रयागराज
उ0 प्र0 पिन - 211004

सहा0 मंडल इंजीनियर
(मुख्यालय-I)
झांसी।

956/24 (ADM)

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

गाड़ी सं. 04230/04229 वाराणसी-लोकमान्य तिलक (ट.) -वाराणसी ग्रीष्मकालीन विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

04230 वाराणसी-लोकमान्य तिलक (ट.)			04229 लोकमान्य तिलक (ट.)-वाराणसी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	22:20	वाराणसी	23:45	—
08:30	08:35	कानपुर सेंट्रल	15:15	15:20
10:50	10:52	उरई	12:35	12:37
13:00	13:10	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	10:40	10:50
10:30	—	लोकमान्य तिलक (ट.)	—	13:00

• वाराणसी से : गाड़ी सं. 04230, दिनांक 04.06.2024, 08.06.2024, 12.06.2024 • लोकमान्य तिलक (ट.) से : गाड़ी सं. 04229, दिनांक 06.06.2024, 10.06.2024, 14.06.2024
• गाड़ी संरचनाः वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-07, सामान्य श्रेणी-10, एसएलआर-02

गाड़ी सं. 03007/03008 हावड़ा-खातीपुरा ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी

03007 हावड़ा-खातीपुरा			03008 खातीपुरा-हावड़ा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	18:00	हावड़ा	12:30	—
10:30	10:35	प्रयागराज जं.	18:05	18:10
14:40	14:45	गोविन्दपुरी	14:35	14:40
19:10	19:15	टूण्डला जं.	10:55	11:00
20:30	20:35	आगरा फोर्ट	09:50	09:55
01:00	—	खातीपुरा	—	05:30

• हावड़ा से : गाड़ी सं. 03007, प्रत्येक रविवार दिनांक 09.06.2024 से 30.06.2024 • खातीपुरा से : गाड़ी सं. 03008, प्रत्येक मंगलवार दिनांक 11.06.2024 से 02.07.2024
• गाड़ी संरचनाः वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-09, सामान्य श्रेणी-04, एसएलआर/डी-02

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 968/24(P)

@CPRONCR North central railways @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

संक्षिप्त

आईएटीए ने GST शुल्क पर विदेशी एयरलाइनों के खिलाफ जांच पर जतायी चिंता

दुबई। वैश्विक एयरलाइन समूह आईएटीए ने एक भारतीय एजेंसी द्वारा कुछ विदेशी एयरलाइनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित कुछ शुल्कों की जांच को लेकर मंगलवार को चिंता जाहिर की। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने भारत में परिचालन करने वाली कुछ विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच शुरू कर है। आईएटीए के भारत के 'कंट्री डायरेक्टर' अमिताभ खोसला ने यहां कहा कि फिलहाल 10 विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच की जा रही है और यह कदम ''अभूतपूर्व'' है। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने इस मुद्दे पर भारत सरकार को एक विस्तृत प्रतिवेदन दिया है। एयरलाइनों को अक्टूबर 2023 से नोटिस मिले हैं। उत्तर एशिया एवं एशिया प्रशांत क्षेत्र (अंतरिम) के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शी शिंगक्वान ने भी आईएटीए की वार्षिक आम बैठक के दौरान आयोजित 'ब्रीफिंग' में जीएसटी मुद्दे का उल्लेख किया। बयान में कहा गया, '' भारत में एयरलाइन के शाखा कार्यालय विमान पट्टे, चालक दल और पायलट, ईंधन तथा रखरखाव लागत के लिए अनुबंध जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में कोई भूमिका नहीं निभाते हैं। भारत से आने–जाने वाले सभी परिचालनों का निर्णय, नियंत्रण और संचालन एयरलाइनों के मुख्य कार्यालयों द्वारा लिया जाता है। भारत में शाखा कार्यालयों को किसी भी रणनीतिक और/या परिचालन जोखिम तथा कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराना कानूनी रूप से सही नहीं है।'' भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। आईएटीए 330 से अधिक एयरलाइन का समूह है, जो वैश्विक हवाई यातायात का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संभालता है।

शेयर बाजार को रिजल्ट नापसंद! अडानी ग्रुप की सभी कंपनियों में आई भारी गिरावट

लोकसभा चुनाव के लिए मतगणना की जा रही है। शुरुआती रुझान में शेयर बाजार ने मार्केट में डुबकी लगाई है। शेयर बाजार को शुरुआती रुझान पसंद नहीं आया है। शेयर बाजार में चार जून को बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इस दौरान सबसे अधिक गिरावट अडानी ग्रुप के शेयरों में आई है। अडानी ग्रुप के शेयरों में उम्मीद से भी अधिक गिरावट आई है। कंपनी के शेयर लगातार नीचे जा रहे है। वहीं इससे एक दिन पहले एग्जिट पोल के नतीजे सामने आने के बाद बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली थी। वहीं नतीजों के दिन शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं दिन बढ़ने के साथ ही निफ्टी में गिरावट भी अधिक बढ़ गई है। निफ्टी में 12 बजे से पहले ही 1500 अंकों की गिरावट आई है। सरकारी कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट देखने को मिली है। जानकारों का कहना है कि अगर असल रिजल्ट और एग्जिट पोल में थोड़ा अंतर होता है तो ही शेयर बाजार की स्थिति में थोड़ी उम्मीद हो सकती है। लोकसभा चुनाव की शुरुआती मतगणना में मिलाजुला रुख रहने के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में भारी मुनाफावसूली के कारण प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,715.78 अंक गिरकर 74,753 अंक पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 539.1 अंक फिसलकर 22,724.80 अंक पर रहा। शुरुआती सौदों के बाद सेंसेक्स 2,623.91 अंक की भारी गिरावट के साथ 73,844.36 अंक पर और निफ्टी 617.45 अंकों की गिरावट के साथ 22,646.45 अंक पर रहा। अडानी ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। अडानी पोर्ट्स के शेयर में 9 फीसदी की गिरावट, अडानी पावर में 10 फीसदी, अंबुजा सीमेंट में 10 फीसदी की गिरावट, अडानी एंटरप्राइजेज में 10 फीसदी गिरावट देखी जा रही है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 26 पैसे की गिरावट के साथ 83.40 प्रति डॉलर पर

मुंबई। लोकसभा चुनाव की मतगणना में मिले–जुले रुख के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.40 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुख से भी शुरुआती कारोबार में रुपये की धारणा प्रभावित हुई। लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को जारी मतगणना पर टेलीविजन चौनल की खबरों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग 350 में से 200 से अधिक संसदीय क्षेत्रों में बढ़त बनाए हुए है, जबकि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) 120 सीट पर आगे है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 26 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.14 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.02 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77.88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,715.78 अंक गिरकर 74,753 अंक पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 539.1 अंक फिसलकर 22,724.80 अंक पर रहा। शुरुआती सौदों के बाद सेंसेक्स 2,623.91 अंक की भारी गिरावट के साथ 73,844.36 अंक पर और निफ्टी 617.45 अंकों की गिरावट के साथ 22,646.45 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में सोमवार को लिवाल रहे और शुद्ध रूप से 6,850.76 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर खरीदे।

टी20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ कैसी होगी टीम इंडिया की प्लेइंग XI, हो सकते हैं कई बदलाव

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुवाई में 5 जून से आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इससे पहले 1 जून को टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ अपना एकमात्र अभ्यास मैच खेला था। उस मैच में जहां रोहित शर्मा और संजू सैमसन ने ओपनिंग की थी वहीं तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत उतरे थे। हालांकि, टीम इंडिया ने अभ्यास मैच में बांग्लादेश को पटखनी दी थी। वहीं अब सवाल ये उठता है कि आयरलैंड के खिलाफ भारत की संयोजन के साथ उतर सकता है? भारत और आयरलैंड के बीच न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में ये मुकाबला खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय टीम पूरी तरह तैयार है। बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में विराट कोहली नहीं खेल पाए थे लेकिन जब भारतीय टीम मुख्य मुकाबले में खेलने के लिए उतरेगी तो उसमें कोहली खेलेंगे, इसमें ज्यादा शक नहीं होना चाहिए।

रोहित–कोहली कर सकते हैं ओपनिंग?

कहा जा रहा है कि, रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ओपनिंग कर सकते हैं। यानी यहां से यशस्वी जायसवाल का पत्ता कट सकता है। वहीं तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत का आना तय सा लग रहा है। बांग्लादेश अभ्यास मैच में पंत और सैमसन ने बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेला था, लेकिन जब कीपिंग की बात आ तो ग्लब्स ऋषभ पंत को थमाए गए थे। यानी संजू सैमसन को पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका शायद ना मिले।

सूर्या–हार्दिक का खेलना तय

वहीं टॉप–3 बल्लेबाजों के बाद चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव का आना करीब तय है। वहीं नंबर 5 पर हार्दिक पंड्या खेलते हुए नजर आ सकते हैं। इस बीच संभावना ये भी है कि, हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे दोनों को एक साथ प्लेइंग इलेवन में मौका दिया जा सकता है। क्योंकि, ये दोनों मिलकर बतौर गेंदबाज की भूमिका भी निभा सकते हैं। अगर दोनों ने दो–दो ओवर भी किए तो काम बन जाएगा। हालांकि, शिवम दुबे का फॉर्म इस वक्त कुछ खास नहीं चल रहा है। इसके बाद रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल को मौका दिया जा सकता है। ये दोनों गेंदबाजी के साथ–साथ बल्लेबाजी में भी अपने हाथ दिखाने की काबिलियत रखते हैं। इसके बाद कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह के अलावा अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिरजा में से एक को मौका दिया जा सकता है।

आयरलैंड के खिलाफ ये हो सकती है संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पेटल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिहं।

आयरलैंड के खिलाफ विराट कोहली रहे हैं फ्लॉप, 2 मैचों में नहीं बना पाए रन

अबतक आयरलैंड के खिलाफ विराट कोहली का बल्ला नहीं चला है। भारत ने आयरलैंड के खिलाफ अब तक 7 टी20 मैच खेले हैं जिनमें कोहली को इस टीम के खिलाफ महज 2 मैचों में ही खेलने का मौका मिला है। दोनों ही मैचों में कोहली का बल्ला नहीं चला है। आयरलैंड के खिलाफ खेले गए 2 मैचों में कोहली ने महज 9 रन बनाए हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पूरे लीग में सबसे ज्यादा 741 रन बनाए और ऑरेंज कैप होल्डर भी बनें। वहीं अब 5 जून से टी20 वर्ल्ड कप में भारत का अभियान का आगाज होने जा रहा है। जहां टीम इंडिया को आयरलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना पहला मुकाबला खेलना है। वहीं इस मैच से पहले ही फैंस विराट कोहली पर टकटकी लगाए हुए हैं। हर कोई उनकी बल्लेबाजी देखने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि, अबतक आयरलैंड के खिलाफ विराट कोहली का बल्ला नहीं चला है। भारत ने आयरलैंड के खिलाफ अब तक 7 टी20 मैच खेले हैं जिनमें कोहली को इस टीम के खिलाफ महज 2 मैचों में ही खेलने का मौका मिला है। दोनों ही मैचों में कोहली का बल्ला नहीं चला है। आयरलैंड के खिलाफ खेले गए 2 मैचों में कोहली ने महज 9 रन बनाए हैं और उनका बेस्ट स्कोर भी 9 का ही है। इस टीम के खिलाफ 2 मैचों में से एक में तो उन्हें डक आउट होना पड़ा था और एक में उन्होंने महज 9 रन बनाए थे। जिस कारण अब कोहली आयरलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में बेहतरीन रन बनाने की कोशिश करेंगे। विराट कोहली टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। उन्होंने टी20 में अब तक खेले 117 मैचों की 109 पारियों में सबसे ज्यादा 4037 न बनाए हैं। कोहली ने इन मैचों में एक शतक और 37 अर्धशतक भी जड़े हैं। कोहली का बेस्ट स्कोर इस प्रारूप में नाबाद 112 रन रहा है जो उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ बनाया था। 117 मैचों में उन्होंने 117 छक्के और 359 चौके लगाए हैं जबकि 5 बार डक आउट हुए हैं और 31 बार नाबाद रहे हैं।

आईपीएल की सफलता के बाद टी20 विश्व कप में फॉर्म 'दशक में सर्वश्रेष्ठ' : कमिंस

ब्रिजटाउन। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में सफलता के बाद वह टी20 विश्व कप में पिछले एक दशक में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है। कमिंस शनिवार को ब्रिजटाउन पहुंचे। उनकी कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल में फाइनल तक पहुंची थी। कमिंस ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा ,'' शायद मैं दस साल में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हूं।'' आस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे कप्तान कमिंस ने कभी वेस्टइंडीज में नहीं खेला है। उन्हें आईपीएल के अपने अनुभव के दम पर अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। उन्होंने कहा ,'' हमने आईपीएल में लगातार 17 मैच खेले। टी20 क्रिकेट में दूसरे प्रारूपों की तुलना में सटीक यॉर्कर या धीमी गेंदों की अधिक जरूरत होती है और मैने इस प्रारूप में अच्छी गेंदबाजी की है।'' उन्होंने कहा ,'' टी20 गेंदबाजी में आपके गेंद डालने का सीक्वेंस सोचकर रखना अहम होता है। आपको बहुत जल्दी पता चल जाता है कि क्या काम कर रहा है और क्या नहीं। पहले मैच में अगर काम नहीं करे तो आपको लगता है कि कभी काम नहीं करेगा लेकिन फिर धीरे धीरे काम करने लगता है। इस आत्मविश्वास के साथ यहां आना अच्छा है।

कोहली पारी की शुरुआत करें, तीसरे नंबर पर उतरे यशस्वी : सुनील गावस्कर

न्यूयॉर्क। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में विराट कोहली को कप्तान रोहित शर्मा के साथ भारत के लिये पारी का आगाज करना चाहिये जबकि यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये। टी20 विश्व कप में कोहली के बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी चर्चा हो रही है। वह लंबे समय से सीमित ओवरों में तीसरे नंबर पर उतरते आये हैं। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा जिसमें रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू के लिये उन्होंने 15 मैचों में 741 रन बनाये। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस से कहा ,'' रोहित शर्मा और विराट कोहली को पारी का आगाज करना चाहिये। यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये।'' उन्होंने कहा ,'' चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव, पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत और छठे नंबर पर हार्दिक पंड्या को उतरना चाहिये। सातवें नंबर पर रविंद्र जडेजा और आठवें नंबर पर शिवम दुबे, नौवे नंबर पर कुलदीप यादव, दसवें पर जसप्रीत बुमराह और 11वें पर मोहम्मद सिराज।

कोविद 19 के बाद पहली बार शेयर बाजार बुरी तरह ढहा

हाय तौबा के बीच निवेशकों लाखों करोड़ों रुपये डूबे

चुनाव के नतीजे चार जून को आने लगे है। नतीजों के दिन शेयर बाजार में जबरदस्त सुनामी आई है। इस सुनामी में मजबूती के साथ खड़े रहने वाला शेयर बाजार भी टिक नहीं सकता है। शेयर बाजार में चार जून के बाद ये अब तक की सबसे अधिक गिरावट देखने को मिली है। वहीं इससे एक दिन पहले सोमवार तीन जून को बाजार में रौनक देखने को मिली थी, मगर चुनाव के नतीजे वाले दिन शेयर बाजार ढह गया है। इस दिन बाजार कई ट्रिलियन नीचे गिर गया है। दरअसल एक तरफ सत्ता में फिर से बीजेपी यानी एनडीए की सरकार बनती दिख रही है मगर बाजार की उम्मीदों के अनुरूप ये नहीं है। ऐसे में रुझानों पर गौर करें तो ये नतीजे बाजार के लिए नुकसानदायक सिद्ध हो सकते है।

इंट्राडे में हुआ नुकसान

निफ्टी इंट्राडे में 5प्रतिशत की सबसे अधिक गिरावट देखने को मिली है। बैंक निफ्टी में भी सात प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। इस दौरान निफ्टी 11.30 बजे तक पांच प्रतिशत तक नीचे गिर चुका था। इसका स्तर 22000 तक हो गया था। बैंक निफ्टी भी छह प्रतिशत तक गिर गया था। सेंसेक्स इंट्राडे में भी भारी अंकों की गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों पर गौर करें तो बीएसई की कंपनियों का मार्केट कैप 30 लाख करोड़ रुपये घट गया है। चुनाव के नतीजे आने के बाद निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए है। दोपहर के कारोबार में 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 6,234.35 अंक या 8.15 प्रतिशत गिरकर 70,234.43 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 1,982.45 अंक या 8.52 प्रतिशत गिरकर 21,281.45 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से भारतीय स्टेट बैंक में 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि पावर ग्रिड तथा एनटीपीसी के शेयर करीब 15 प्रतिशत गिर गए। लार्सन एंड टूब्रो, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, जेएसडब्ल्यू स्टील और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों को भी नुकसान हुआ। को चुनावी नतीजों के दिन ऐसा कारनामा किया है कि बाजार ताश के पत्तों की तरह ढह गया है। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स ने 6000 अंकों का गोता लगाया है। वहीं एनएसई का निफ्टी 1900 अंकों से अधिक नीचे गिरा है। इस दौरान कोरोना काल शेयर बाजार में आई गिरावट कोरोना वायरस काल के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इस दिन शेयर बाजार में जमकर हाहाकार मच गया है। इस गिरावट के बाद शुरुआती रुझानों में निवेशकों को 11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ

न्यूयॉर्क में भारत और आयरलैंड मुकाबले में बारिश का खलल?

बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभ्यास मैच के बाद टीम इंडिया बुधवार 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में आयरलैंड से भिड़ेगी। मुकाबला दोनों टीमों के बीच शाम 8 बजे से खेला जाएगा। हालांकि, उससे पहले न्यूयॉर्क के मौसम के बारे में भी जान लीजिए।

वेदर रिपोर्ट

वेदर फॉरकास्ट के मुताबिक 5 जून को न्यूयॉर्क में बारिश की उम्मीद है। दोपहर में 24 प्रतिशत जबकि रात में बारिश होने के चांसेस 80 प्रतिशत हैं। इसके अलावा, तापमान 24 से 20 डिग्री तक रह सकता है। हवा 15–16 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल सकती है। जकि आद्रर्ता 65 से 86 प्रतिशत तक रह सकती है।

न्यूयॉर्क की पिच?

वहीं न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम की पिच की बात करें तो, यहां मिट्टी ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड स्टेडियम से लाई गई है। एडिलेड की ही तरह ये स्टेडियम भी समुद्र के पास स्थित है। ऐसे में नसाउ स्टेडियम की विकेट पर भी एडिलेड की तरह उछाल वाली और रन बनाने वाली हो सकती है।

सम्पादकीय.....

स्वास्थ्य बीमा में राहत

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने कैशलेस स्वास्थ्य दावों के निपटान के लिये तीन घंटे की सीमा को अनिवार्य करके स्वास्थ्य बीमा परिदृश्य को सुचारू बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। निश्चित रूप से इस महत्वपूर्ण निर्देश का उद्देश्य देश में स्वास्थ्य बीमा सेवाओं की दक्षता को बढ़ाना और उपभोक्ताओं के महत्व को प्राथमिकता देना है। इसके अंतर्गत बीमाकर्ताओं को एक घंटे के भीतर कैशलेस दावों पर निर्णय लेने और आवेदन के तीन घंटों के भीतर दावों के निपटान संबंधी निर्णय से नियामक प्राधिकरण ने बीमा क्षेत्र में विश्वसनीयता व जवाबदेही सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास किया है। निश्चित रूप से बीमा दावों के लिये उपभोक्ताओं को भागादौड़ी व परेशानियों का सामना करना पड़ता रहा है। बीमा राशि के भुगतान की लंबी प्रक्रिया मरीज व उसके परिजनों के लिये अकसर आर्थिक तनाव की वजह बनती है। समय पर बीमा राशि न मिलने से तीमारदारों को तुरंत पैसे की आपातकालीन व्यवस्था करनी पड़ती है। दरअसल, कैशलेस दावों में विलंब की वजह से अतिरिक्त शुल्क चुकाने,लंबे समय तक अस्पताल में रहने तथा इलाज में बाधा जैसी समस्याएं आती हैं। जिससे मरीजों का तनाव भी बढ़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिये बीमाकर्ताओं द्वारा पेश की जाने वाली सुविधाओं को व्यावहारिक बनाने का प्रयास भी किया गया है। निश्चित रूप से आईआरडीएआई के इन सुधारों से ग्राहकों का विश्वास बीमा व्यवस्था पर बढ़ेगा। साथ ही देश में बीमा की पहुंच को विस्तार मिलेगा।दरअसल, बीमा राशि के भुगतान की जटिलताओं के चलते देश में स्वास्थ्य बीमा का कवरेज क्षेत्र अपेक्षाकृत कम है। वहीं दूसरी ओर आबादी का एक बड़ा हिस्सा सरकारी योजनाओं पर निर्भर है। आईआरडीएआई ने दावा प्रक्रिया को व्यवस्थित करके तथा दावा मुक्त वर्षों के लिये प्रीमियम राशि पर छूट का सुझाव देकर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने का प्रयास किया है। साथ ही बीमा कंपनियों को निर्देश दिये गए हैं कि वे 31 जुलाई तक अपने बीमा योजनाओं के परिचालन को नये दिशा–निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित करें। निस्संदेह इन प्रयासों से जहां स्वास्थ्य बीमा सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा, वहीं बीमा कवरेज का दायरा भी बढ़ेगा। कैशलेस क्लेम की निर्धारित समय सीमा में मंजूरी से उपभोक्ताओं को सुविधा हो सकेगी। इंश्योरेंस रेगुलेटर के निर्देश के बावजूद अब यदि अस्पताल से मरीज के डिस्चार्ज ऑथराइजेशन से जुड़े मामले का निस्तारण यदि तीन घंटे में नहीं होता है तो देरी होने की वजह से जो अस्पताल का बिल बढ़ेगा, उस अतिरिक्त राशि का भुगतान बीमा कंपनी को करना होगा। इसके अलावा बीमा धारक को मिलने वाली सेवा की गुणवत्ता में सुधार के कई उपाय भी किए गए हैं। मसलन बीमाधारक की उपचार के दौरान मौत होने की स्थिति में दावे का निस्तारण तत्काल करने को कहा गया है ताकि पार्थिव देह को अस्पताल से बाहर ले जाने में विलंब न हो। कुल मिलाकर इस दिशा में एक संवेदनशील पहल हुई। साथ ही बीमा कंपनियों के सौ फीसदी कैशलेस क्लेम का निपटारा किया जाना भी महत्वपूर्ण कदम है।

अब नतीजों का इंतजार

एजेंसी

गहन संदेहों के घेरे में आई हुई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के जरिये ही चुनाव कराने पर सरकार के इशारे पर आमादा निर्वाचन आयोग 2019 के चुनाव के समय से ही सरकार के पक्ष में खड़ा दिखा था। उसने अपना वही रवैया इस बार भी बनाये रखा।

लोकसभा चुनाव के सातवें व अंतिम चरण का मतदान शनिवार को सम्पन्न हो जाने के बाद विभिन्न न्यूज चौनलों एवं सर्वे एजेंसियों ने उसी शाम 6.30 बजे के बाद से अपने एक्जिट पोल्स दिखला दिये हैं और अपने–अपने अनुमानों के अनुसार सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस यानी एनडीए अथवा उसके खिलाफ कांग्रेस के नेतृत्व में लामबन्द हुए इंडिया को जीतता हुआ बतला रहे हैं। भाजपा के स्टार प्रचारक नरेन्द्र मोदी के बहुप्रचारित खुद की पार्टी के बल पर 370 और एनडीए के बूते 400 पार के नारे की तो बात अब हो नहीं रही है लेकिन ट्रेंड यह दिख रहा है कि सत्ता के नजदीक माना जाने वाला मुख्यधारा का मीडिया एनडीए को तथा स्वतंत्र व डिजिटल मीडिया, जिनमें ज्यादातर यू ट्यूबर हैं– इंडिया की जीत का अनुमान जाहिर कर रहे हैं। जो भी हो, मंगलवार को स्थिति साफ हो जायेगी जब परिणाम सामने आ जायेंगे। यह चुनाव जिस तरीके से लड़ा गया है, वह कई सवाल खड़े करता है। पहला तो यही कि केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, जिस पर निष्पक्षतापूर्वक व भयरहित वातावरण में चुनाव कराने की जिम्मेदारी थी, वह ऐसा करने में पूरी तरह से नाकाम रहा है। जिस दिन से इसकी घोषणा हुई थी, तभी से उसने अपनी आंखें, कानों और मुंह को बन्द कर रखा है। गहन संदेहों के घेरे में आई हुई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के जरिये ही चुनाव कराने पर सरकार के इशारे पर आमादा निर्वाचन आयोग 2019 के चुनाव के समय से ही सरकार के पक्ष में खड़ा दिखा था। उसने अपना वही रवैया इस बार भी बनाये रखा। ईवीएम के साथ ही इलेक्टोरल बॉन्ड्स के कारण विपक्षी आलोचना के केन्द्र में रही भाजपा सरकार पर यह भी आरोप लगा कि उसने अपनी जांच एजेंसियों के जरिये खूब चुनावी चंदा बटोरा है और उसके बल पर वह न केवल चुनाव लड़ रही है बल्कि उसने कथित ऑपरेशन लोटसट के माध्यम से विरोधी दलों को कमजोर किया, उसकी राज्य सरकारें गिराईं और एक तरह से संघवाद को कुचल दिया है। इसके अलावा भाजपा ने कई प्रकार से आचार संहिता का उल्लंघन किया जिसमें निर्वाचन आयोग ने भरपूर साथ दिया। मोदी के चुनावी भाषणों में आचार संहिता के किसी भी नियम का ख्याल नहीं रखा गया। उन्होंने अलग–अलग सन्दर्भों में खूब हिन्दू–मुसलमान किया, कांग्रेस व अन्य विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ आधारहीन व अमर्यादित टिप्पणियां कीं। पहले तो उन्होंने इंडिया गठबन्धन को अपमानजनक शब्दों से सम्बोधित किया, फिर कांग्रेस के घोषणापत्र पर श्मुस्लिम लीग की छायाट बतलाई तथा उलजुलूल आरोप लगाये। गैरजिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार का परिचय देते हुए उन्होंने यह कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो वह लोगों के मंगलसूत्र छीनकर 'कई बच्चे वालों' को दे देगी। उनका संकेत मुस्लिमों की ओर था। उन्होंने इंडिया सरकार द्वारा एक्सरे कर लोगों के घरों का सोना छीन लेने और सबकी बिजली–पानी काट देने का डर भी दिखाया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक भाषण को गलत उद्धृत करते हुए मोदी ने कह डाला कि यूपीए सरकार का मानना था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुस्लिमों का है। मोदी इस दौरान भविष्य में विकसित भारत बनाने की तो बातें करते रहे परन्तु वे अपने 10 वर्ष के कार्यकाल के दौरान क्या विकास कर सके, इस बाबत चुप्पी साधे रखी। मोदी व भाजपा ने प्रतिपक्ष के कई नेताओं को अपमानित किया। ओडिशा के सुसंस्कृत मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बारे में अभद्र बातें कहीं। हालांकि इनमें उनकी कुछ टिप्पणियां ऐसी थीं कि स्वयं मोदी ही हास्य के पात्र बन गये। भारत के इतिहास में यह पहला चुनाव है जिनमें कई घटनाएं पहली बार हुईं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। इसका मकसद दोनों को चुनाव प्रचार से रोकना था। हेमंत तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जेल गये पर केजरीवाल ने पद नहीं छोड़ा। इतना ही नहीं, उन्होंने जमानत पाकर करीब दो हफ्ते जमकर प्रचार किया और अब फिर रविवार को उन्होंने जेल जाने के लिए समर्पण कर दिया। यह कदम भाजपा के लिये आत्मघाती साबित होता दिख रहा है क्योंकि इससे इंडिया और भी मजबूत बन गया तथा दोनों राज्यों में सहानुभूति लहर चल पड़ी। अन्य मामलों की तरह ही निर्वाचन आयोग इस मामले पर भी मौन बना रहा। शनिवार को कांग्रेस के जयराम रमेश ने यह कहकर सनसनी फैलाई कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह कलेक्टरों को व्यक्तिगत रूप से फोन कर धमका रहे हैं। ये वही शाह हैं जिनका दावा है कि पांचवें चरण के बाद ही एनडीए को 300 से 310 सीटें मिल चुकी हैं। यानी वह सत्ता बनाने की स्थिति में आ गया है। ऐसा है तो शाह के लिये क्या जरूरत है कि वे कलेक्टरों को धमकियां दें? यह इस बात की ओर स्पष्ट संकेत है कि शाह जो कह रहे हैं वैसा कुछ है नहीं। यानी एनडीए सरकार बनाने की स्थिति में नहीं आया है। जिस प्रकार मोदी 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के पहले एक गुफा में ध्यान लगाने चले गये थे और उन्होंने इसका लगातार प्रसारण कराया, वैसा ही उन्होंने इस बार भी किया। अबकी उन्होंने कन्याकुमारी के प्रसिद्ध स्वामी विवेकानंद स्मारक में ध्यान लगाया और अनेक कैमरों द्वारा वीडियो बनवा कर उसका लगातार प्रसारण कराया। यह भी आचार संहिता का उल्लंघन था। इसके विपरीत कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन ने मजबूती से मिलकर चुनाव लड़ा। जन सरोकार के मुद्दों को अपने विमर्श का हिस्सा बनाये रखा तथा इस चुनाव को लोकतंत्र व संविधान की लड़ाई में बदल दिया। अब देखना होगा कि चार जून को आने वाले नतीजों में लोकतंत्र व संविधान की रक्षा की गुंजाइश कितनी बचती है और तानाशाही की आशंकाएं खत्म होती हैं या नहीं।

चाबहार बंदरगाह भारत, ईरान और अफगानिस्तान के लिए एक रणनीतिक जरूरत

गिरीश लिंगन्ना

भारत आज ईरान में लंबे समय से लंबित चाबहार बंदरगाह परियोजना को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहा है। 13 मई को, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह सौदा भारत को चाबहार बंदरगाह को विकसित करने और संचालित करने की अनुमति देता है। आईपीजीएल लगभग 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा, जिसमें अतिरिक्त 250 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण होगा, जिससे अनुबंध का कुल मूल्य 370 मिलियन डॉलर हो जायेगा। भारत, अफगानिस्तान और ईरान को जोड़ने वाला परिवहन और पारगमन मार्ग बनाने के लिए चाबहार समझौता मूलरूप से मई 2016 में हुआ था। इस समझौते का उद्देश्य भारत, अफगानिस्तान और ईरान के बीच माल और यात्रियों को ले जाने के लिए बंदरगाह का उपयोग करना था। इससे अन्य देशों से माल और यात्रियों को आकर्षित करने की भी उम्मीद थी। उस समय ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने दिसंबर 2017 में चाबहार बंदरगाह के पहले चरण का शुभारंभ किया। आईपीजीएस ने 2018 के अंत में बंदरगाह संचालन का प्रबंधन शुरू किया। तब से, इसने 90,000 टीईयू (ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) से अधिक कंटेनर ट्रैफिक और 8.4 मिलियन टन से अधिक बल्क और सामान्य कार्गो को संभाला है। 2018 में, ट्रम्प प्रशासन ने एक छूट दी, जिसने चाबहार को अमेरिकी प्रतिबंधों से बाहर रखा, जिससे बंदरगाह का उपयोग अफगान पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करने के लिए किया जा सके। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि– राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की श्दक्षिण एशिया रणनीति अफगानिस्तान की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए हमारे निरंतर समर्थन को उजागर करती है, साथ ही भारत के साथ हमारी मजबूत साझेदारी भीश, जैसा कि द डिप्लोमैट की एक रिपोर्ट में बताया गया है। अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि यह अपवाद अफगानिस्तान के लिए पुनर्निर्माण सहायता और आर्थिक विकास से जुड़ा है, जो देश के विकास का समर्थन करने और मानवीय राहत प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में हुए समझौते के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक चेतावनी जारी की है। उसने संकेत दिया कि अगर भारतीय कंपनी आईपीजीएल निवेश के साथ आगे बढ़ती है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। अगस्त 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से चाबहार पर अमेरिकी दृष्टिकोण बदल गये हैं। वाशिंगटन तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार को मान्यता देने की योजना नहीं बना रहा है जिसने गणराज्य से सत्ता संभाली है और उसने तालिबान की प्रतिबंधात्मक नीतियों को बदलने की कोशिश करने के लिए वित्तीय दबाव का उपयोग करने की रणनीति लागू की है। भले ही यह रणनीति अब तक काम नहीं आई है, लेकिन चाबहार को तालिबान को लाभ पहुंचाने वाला एक प्रमुख व्यापार और पारगमन केंद्र बनाना अमेरिकी रणनीति के सफल होने की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है। हालांकि, भारत के लिए चाबहार कई फायदे प्रदान करता है। यह ईरान के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को बनाये रखने में मदद करता है, जो भारत द्वारा ईरानी तेल आयात करना बंद करने और विभिन्न मुद्दों पर उनकी नीतियों के अलग होने के कारण तनावपूर्ण हो गया था। चाबहार निष्क्रिय अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) को पुनर्जीवित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य भारत, ईरान, रूस और कई मध्य और पश्चिम एशियाई देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देना है। भारत–मध्य पूर्व आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना, जिसे 2023 में बहुत उत्साह के साथ लॉन्च किया गया था, अब गाजा में इजरायल के युद्ध के कारण लगभग छोड़ दिया गया है, और यूरोपीय संघ और यू.के. के साथ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता ठप हो गयी है, और भारत की वैकल्पिक व्यापार मार्गों की आवश्यकता भी काफी बढ़ गई है। चाबहार भारत के अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति को फिर से स्थापित करने के बारे में भी है, ठीक उसी तरह जैसे उसने 2001 और 2021 के बीच गणतंत्र सरकार और अफगान लोगों के साथ मजबूत संबंध बनाये थे। 2016 के चाबहार समझौते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाहों से बचते हुए भूमि से घिरे अफगानिस्तान को समुद्र तक पहुंच देना था। कई वर्षों से, पाकिस्तान ने अक्सर अफगानिस्तान के लिए अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है, जिससे देश की समुद्र तक पहुँच अवरुद्ध हो गयी है और भारत और दक्षिण एशिया के साथ व्यापार और पारगमन में बाधा उत्पन्न हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण यह एक बार फिर प्रासंगिक हो गया है। चाबहार को वैकल्पिक मार्ग के रूप में फिर से सक्रिय करने के प्रयासों को कई खुली और पर्दे के पीछे की बातचीत के माध्यम से गति दी गयी है। हाल के महीनों में, भारत तालिबान के करीब आ गया है, जबकि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संबंध खराब हो गये हैं, और तेहरान और इस्लामाबाद के बीच तनाव बढ़ गया है। तालिबान के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से खुद को श्एक ऐसे देश पाकिस्तान से दूर रखने का उल्लेख किया है जो अफगानिस्तान के मामलों में बहुत अधिक शामिल रहा है। मार्च 2024 में, तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और भारत के विदेश मंत्रालय के अफगानिस्तान और पाकिस्तान प्रभाग के प्रमुख जे.पी. सिंह के बीच काबुल में एक बैठक के दौरान, उन्होंने चाबहार पर चर्चा की। 28 मार्च को, तालिबान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया जिसमें चाबहार बंदरगाह के माध्यम से दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए भारत के समर्थन पर प्रकाश डाला गया। उस महीने की शुरुआत में, तालिबान ने चाबहार बंदरगाह में लगभग 35 मिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की। भारत और ईरान दोनों ने तालिबान के साथ जुड़ने के लिए अपनी रणनीतियों को संरेखित किया है। यह स्पष्ट है कि नई दिल्ली, तेहरान और काबुल मूल चाबहार योजना को पुनर्जीवित करने और पिछली चुनौतियों से आगे बढ़ने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका से स्पष्ट स्वीकृति के बिना आगे बढ़ने के कारण, ये क्षेत्रीय खिलाड़ी क्षेत्रीय मंच पर जोखिम उठाने को तैयार हैं। अमेरिका के साथ बैक चौनल कूटनीति और मजबूत रणनीतिक संबंधों ने पहले भारत को रूस से एस–400 मिसाइल और तेल आयात करते समय अमेरिकी प्रतिबंधों को दरकिनार करने में सक्षम बनाया है। इस बार, नई दिल्ली को विश्वास है कि वह, जैसा कि भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, चाबहार सौदे पर संयुक्त राज्य अमेरिका से श्संवाद कर सकता है, समझा सकता है और चुपचाप स्वीकृति प्राप्त कर सकता है, इसलिए आईपीजीएल को प्रतिबंधों का सामना नहीं करना पड़ेगा। चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है, और वाशिंगटन द्वारा कठोर उपायों से बचने की संभावना है, खासकर चुनावी वर्ष के दौरान। इसके अलावा, क्षेत्रीय गठबंधनों को बदलने के साथ, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका को एक जटिल परिदृश्य को नेविगेट करने की आवश्यकता होगी क्योंकि वे अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना चाहते हैं।

इस चुनाव के दो खलनायक, गोदी मीडिया और चुनाव आयोग

शकील अख्तर

चार जून को देखा जाएगा। विपक्ष ने यह चुनाव बहुत अच्छा लड़ा है। जनता के मुद्दे उठाए। जनता को भरोसा दिया कि आने के बाद वह उनकी सुनेगा। अपने मन की बात नहीं करेगा। जनता ने भी इस बार विपक्ष को खूब सुना। माहौल वह बिल्कुल नहीं है जो एक्जिट पोल बता रहा है। सारी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर जिलों के चुनाव अधिकारियों पर है कि वह पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और बिना किसी डर के काम करें। जनता से पंगा अच्छी बात नहीं है! क्या गोदी मीडिया के एक्जिट पोल सही साबित होंगे? हो सकते हैं, अगर चुनाव मशीनरी उससे मिली हुई हो! जमीन पर तो कहीं मोदी के जीतने के संकेत नहीं थे। हर जगह बेरोजगारी, महंगाई, अग्निवीर में युवाओं की जवानी बर्बाद होने की चिंता और संविधान बचाने की बातें थीं। जो हिन्दू=मुसलमान मोदी ने किया, मंदिर– मस्जिद लाए, मंगलसूत्र और भैंस तक छीनने की बात ले आए उसका तो जमीन पर कहीं असर दिखा नहीं। अपने काम की बात उन्होंने की नहीं। कांग्रेस ने यह किया कांग्रेस ने यह नहीं किया ही बोलते रहे। दस साल में आपने क्या किया इसके बारे में एक भी शब्द नहीं। बेरोजगारी, महंगाई शब्द ही एक बार भी मुंह से नहीं निकला। फिर ये 350 से 400 तक के आंकड़े कैसे? कोई एक आदमी ऐसा मिलता नहीं जो बताता हो कि एक्जिट पोल वाले उसके पास आए थे। फिर ये पोल किसका? रविवार सुबह के अखबार देखे। कुछ संयमित लगे। लिखा अनुमान हैं ये। पहले की तरह दावा नहीं लिखा। जाहिर है अखबारों के पास भी माहौल समझने का कुछ विवेक है। उसके संवाददाता भी जगह–जगह घूमे हैं। जिला स्तर पर और ब्लाक तक अभी भी अखबारों के संपर्क हैं। उनके संवाददाता हैं। यह अलग बात है कि उनकी खबरें पूरी तरह अब नहीं छपतीं। मगर संपादक और दूसरे वरिष्ठ पत्रकारों के आंखों के सामने से गुजरती हैं। एक उदाहरण देते हैं। ग्वालियर में एक अखबार हुआ करता था– स्वदेश। अभी भी है। 45 साल पहले वह ग्वालियर शहर और पूरे संभाग का प्रमुख अखबार हुआ करता था। संघ का अखबार था। स्टाफ भी सारा संघ का ही होता था। जिला और तहसील तक सारे संवाददाता भी प्रचारक या संघ के आदमी होते थे। लेकिन जब भी चुनाव आते थे। खबरें विश्लेषण तो वह भाजपा, जनसंघ के हिसाब से करता था। मगर मालूम उसे सब होता था। बड़ा अखबार होने की वजह से हर वर्ग के लोगों के संपर्क में रहता था। तो करना कुछ भी पड़ता हो मगर जानता सब था कि चल क्या रहा है। जनता क्या सोच रही है। चुनावों के बारे में जो दूसरे अखबार समझते थे उनकी सूचनाएं होती थीं वही उसकी होती थी। संवाददाता संघ का होता था खबर उसके एंगल से लिखता था। मगर संपादक को बता देता था कि क्षेत्र की सही तस्वीर क्या है। ऐसा आज भी है। अखबारों को मालूम है कि जमीन पर क्या हुआ। इसलिए उन्होंने उछल कर नहीं दबा कर एक्जिट पोल पर लिखा। और अखबार क्या खुद एक्जिट पोल करने वाले टीवी भी पहले की तरह नहीं फुदक रहे थे। उनके मुख्य एंकर अपने जोश पर बार–बार ब्रेक लगाते थे। और संवाददाताओं की आवाज में तो कहीं उत्साह था नहीं। पहले तो वे इस तरह खबर बताते थे जैसे मोदी जी का दिग्विजय अभियान पूरा होने वाला हो। तो मतलब कहानी इतनी आसान नहीं है। जनता ने क्या फैसला दिया है। यह उसकी बातों उसकी समस्याओं से मालूम पड़ता है। घर–घर में बेरोजगारी वाली जनता घर–घर मोदी वाला नारा सुनने को तैयार नहीं थी। महंगाई से पीड़ित जनता कांग्रेस यह ले जाएगी वह ले जाएगी सुनना नहीं चाहती थी। बचा क्या है जो कांग्रेस ले जाएगी? यह सारे सवाल थे। मगर एक्जिट पोल इसके ठीक विपरीत हैं। वे मोदी मोदी कर रहे हैं। इसलिए जनता को शक है कि गोदी मीडिया से माहौल बनवाकर कहीं चुनाव आयोग उसी के अनुसार नतीजे न दे दे। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बड़ा सनसनीखेज खुलासा किया है कि इस बार प्रत्याशी के मतगणना एजेंट को मतगणना टेबल तक नहीं जाने दिया जाएगा। मतलब चुनाव अधिकारी को खुली छूट होगी कि वह जो चाहे करे। माकन ने अपने इस खुलासे पर चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगा है मगर वह नहीं आया। 1977 से हमने सब चुनाव देखे हैं। 77 से ही मतगणना केन्द्र में ही रहकर गिनती भी देखी है। मगर ऐसा कभी नहीं हुआ कि प्रत्याशियों के अधिकृत एजेंटों को मतगणना टेबल से दूर रखा जाए। फिर वह देखेगा क्या? पत्रकार भी अंदर होते हैं वे भी देखते हैं। प्रत्याशी के एजेंट, पत्रकार अगर वोट से ही दूर रहेंगे तो मतगणना केन्द्र में उनके जाने का फायदा क्या? बहुत गंभीर सवाल है। इससे पहले एक करोड़ सात लाख से ऊपर जाली वोट ईवीएम में करवाने का आरोप चुनाव आयोग पर है। पहले फेज के मतदान के बाद 11 दिन तक कितना मतदान हुआ इसका आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया गया था। बाद में मतदान प्रतिशत बढ़ाकर दिखाया गया। यह जो अतिरिक्त वोट दिखाए गए। जिन्हें विपक्ष एक करोड़ सात लाख से ज्यादा बता रहा है वह किसके खाते में गए? चुनाव आयोग बहुत संदेह के घेरे में है। इसलिए कहा जा रहा है कि गोदी मीडिया से ऐसा एक्जिट पोल करवाया गया कि वह आयोग के चार जून के बताए जाने वाले नतीजों के अनुरूप हो। पहले गोदी मीडिया से कहलवा दो फिर वैसा ही नतीजा बता दो। जनता मान जाएगी। लेकिन अब जनता सवाल कर रही है कि यह गोदी मीडिया जब खबरें गलत बताता है। तो एक्जिट पोल सही कैसे बता देगा? जब रोजगार का सवाल चला तो मोदी ने तो एक बार भी उसका नाम नहीं लिया। मगर गोदी मीडिया ने बता दिया कि मोदी ने दो करोड़ प्रतिवर्ष रोजगार देने के अपने वादे के अनुरूप 20 करोड़ रोजगार लोगों को दे दिए हैं। लोग हैरान कि यह रोजगार कहां गए? हमारे परिवार में एक भी नहीं आया। गांव में भी किसी को नहीं मिला। फिर ये गए कहां? तो लोगों को गोदी मीडिया की खबरों पर ही जब भरोसा नहीं है तो एक्जिट पोल पर कैसे बनेगा? नतीजे कुछ भी हों मगर इस चुनाव में दो खलनायक सामने आ गए हैं।

नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पंड्या के बीच हुआ सब ठीक! एक्ट्रेस ने दी गुड न्यूज, फैंस हो रहे हैरान

> हाल ही में नाताशा ने कुछ ऐसा कर दिया है, जिसे देख सब हैरान हो रहे हैं। दरअसल, सेपेरेशन की खबरों को बीच हाल ही में नताशा ने हार्दिक पांड्या संग अपनी सारी तस्वीरें री-स्टोर कर ली हैं। जिसमें दोनों की शादी से लेकर वैलेंटाइन डे सेलिब्रेशन और फैमिली के साथ बिताएं पलों तक की तस्वीरें शामिल है। नताशा स्टेनकोविक के ऐसा करने के बाद फैंस को राहत की सांस मिली है।

मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पंड्या इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में छाए हुए हैं। बीते कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें उड़ रही हैं हैं। बीते कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें उड़ रही हैं कि उनके और वाइफ नताशा स्टेनकोविक के बीच अनबन चल रही है। खबरें तो ये तक आ रही हैं कि दोनों तलाक लेने वाले हैं। आए दिन इससे जुड़ी नई अपडेट सामने आ रही हैं। वहीं नताशा और हार्दिक ने भी अब तक इन खबरों पर चुप्पी साध रखी है। न ही वे इस अफवाह का खंडन कर रहे हैं और न ही इस मामले की पूरी सच्चाई बता रहे हैं। लेकिन इसी बीच अब हाल ही में नाताशा ने कुछ ऐसा कर दिया है, जिसे देख सब हैरान हो रहे हैं। दरअसल, सेपेरेशन की खबरों को बीच हाल ही में नताशा ने हार्दिक पांड्या संग अपनी सारी तस्वीरें री–स्टोर कर ली हैं। जिसमें दोनों की शादी से लेकर वैलेंटाइन डे सेलिब्रेशन और फैमिली के साथ बिताएं पलों तक की तस्वीरें शामिल है। नताशा स्टेनकोविक के ऐसा करने के बाद फैंस को राहत की सांस मिली है। बता दें, नताशा ने अपने सोशल मीडिया बायो से पांड्या सरनेम हटाने के बाद हार्दिक संग अपनी सारी फोटोज गायब कर दी थी, जिसके बाद से ही उनके और हार्दिक के बीच अनबन की खबरें सामने आने लगी थी। अब नताशा दोबारा फोटोज री–स्टोर करने की वजह से चर्चा में हैं। फैंस क्यास लगा रहे है कि शायद अब दोनों के बीच सब कुछ ठीक हो गया हो। बता दें कि हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक के तलाक के रूमर्स इस वक्त सिर्फ सोशल मीडिया पर ही चल रही है। फिलहाल दोनों में से किसी ने इसपर अधिकारीक तौर पर कोई बात नहीं कि है। गौरतलब है कि कपल ने 31 मई, 2020 को कोर्ट मैरेज की थी। इसके बाद जुलाई 2020 में उन्हें एक बेटे के माता–पिता बनने का सुख भी प्राप्त हुआ, जिसका नाम उन्होंने अगस्त्य रखा है। वहीं कोर्ट मैरिज के बाद बीते साल 2023 में कपल ने वैलेंटाइन डे के मौके पर रीति–रिवाज के साथ ग्रैंड अंदाज में शादी की थी। इस शादी में हार्दिक–नताशा का बेटा अगस्त्य भी मौजूद था, इस ग्रैंड शादी में हार्दिक पंड्या के भाई क्रुणाल पंड्या और उनकी वाइफ पंखुड़ी शर्मा भी मौजूद रहीं। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और कमेंटेटर जतिन सप्रू भी इस खास पल का हिस्सा रहे थे। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं।

क्रूज प्री-वेडिंग से अनंत अंबानी और राधिका की सामने आई प्यारी तस्वीर, पिंक ड्रेस में लगीं परी

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट इन दिनों अपनी सेकंड प्री–वेडिंग एन्जॉय कर रहे हैं। क्रूज पर अनंत और राधिका ने जमकर पार्टी की है। क्रूज बैश से कई सेलिब्रिटीज की झलकियां सामने आ गई हैं। वहीं इस क्रूज प्री–वेडिंग पार्टी से होने वाले दूल्हा–दुल्हन की पहली झलक सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। आकाश अंबानी और ईशा अंबानी की शादी में पानी की तरह पैसा बहाने के बाद अब अनंत अंबानी की शादी की धूम है। बता दें 29 मई से 1 जून तक अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की ग्रैंड क्रूज प्री–वेडिंग का जश्न चला, जिसमें कई मशहूर हस्तियां शामिल हुईं। जाने–माने बिजनेसमैन वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट के साथ अनंत अंबानी लंबे समय से रिलेशनशिप में हैं। कपल ने पिछले साल सगाई की थी। अब जुलाई में दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री–वेडिंग सेलिब्रेशन मार्च में गुजरात के जामनगर में हुआ था,जिसकी खूब चर्चा रही थी। वहीं अब सेकंड प्री–वेडिंग क्रूज पर एन्जॉय किया। इटली से फ्रांस तक क्रूज पार्टी चली, जिसमें केटी पेरी, पिटबुल और गुरु रंधावा जैसे सिंगर्स ने परफॉर्मेंस दी और बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी इसमें शामिल हुए। शाह रुख खान, रणबीर कपूर, सुहाना खान और अनन्या पांडे की इटली से फोटोज और वीडियोज सामने आने के बाद अब होने वाले दूल्हा–दुल्हन की झलकियां भी आ गई हैं। हाल ही में अंबानी के फैन पेज पर राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी के प्री–वेडिंग बैश की वीडियो और फोटो सामने आई है, जिसमें अंबानी की होने वाली बहू ने एक बार फिर से अपने लुक से हर किसी का दिल चुरा लिया है। सामने आई तस्वीर में राधिका मर्चेंट और अंनत साथ में दिखाई दे रहे हैं। राधिका पिंक कलर की ड्रेस में बार्बी डॉल लग रही हैं। होने वाले दूल्हा राजा ने पार्टी के लिए फ्लोरल शर्ट कैरी की थी। प्री–वेडिंग को एन्जॉय करते हुए राधिका के चेहरे का नूर अलग ही दिख रहा था। राधिका

मर्चेंट और अनंत अंबानी की शादी का फंक्शन तीन दिन तक चलने वाला है। 12 जुलाई को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में शादी है, 13 जुलाई को शुभ आशीर्वाद का फंक्शन और 14 जुलाई को वेडिंग रिसेप्शन है। हाल ही में, कपल की शादी का कार्ड भी वायरल हुआ था।

वरुण धवन और नताशा दलाल के घर बेटी ने लिया जन्म दिया, डेविड धवन ने की पुष्टि

वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल ने बेटी को जन्म दिया है। डेविड धवन ने अस्पताल के बाहर मौजूद मीडिया को यह खबर दी। उन्हें अपने नए पिता वरुण के साथ देखा गया। जब पैपराज़ी ने डेविड से पूछा कि क्या वरुण और नताशा ने बेटी को जन्म दिया है, तो फ़िल्म निर्माता ने सिर हिलाकर हाँ कहा और कैमरामैन को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले बताया गया था कि नताशा को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई है। सूत्र ने बताया कि डॉक्टर के अनुसार, नताशा इस सप्ताह बच्चे को जन्म देने वाली है। आज सुबह उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। वरुण इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि इस दौरान वह अपनी पत्नी के साथ रहें और उन्होंने सभी पेशेवर प्रतिबद्धताओं को बाद की तारीख़ के लिए टाल दिया है। इससे पहले आज, अभिनेता को मुंबई के एक अस्पताल के बाहर देखा गया। वह एक छोटा सा बैग लेकर अस्पताल परिसर से अपनी कार में निकलते हुए देखे गए। वरुण धवन और उनकी फैशन डिजाइनर पत्नी नताशा दलाल ने अपने पहले बच्चे के आगमन की घोषणा करते हुए इंटरनेट पर हलचल मचा दी। पिछले साल मुंबई के एक क्लिनिक में जोड़े के देखे जाने की अटकलों के बावजूद, वरुण ने आधिकारिक तौर पर एक मार्मिक इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से प्रशंसकों के साथ दिल को छू लेने वाली खबर साझा की। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वरुण धवन ने अपने लिविंग रूम से एक शांत मोनोक्रोम स्नैपशॉट पोस्ट किया। तस्वीर में, वरुण घुटनों के बल बैठे हैं और नताशा दलाल के हाथों को थामे हुए उनके बेबी बंप पर प्यार से किस कर रहे हैं। इस सुखद घोषणा के साथ ही दंपति ने आश्वासन दिया कि माँ और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं, जो बढ़ते परिवार के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है। तस्वीर में उनका पालतू कुत्ता भी सोफे पर आराम से बैठा हुआ दिखाई दे रहा है, जिसकी नज़र कैमरे पर टिकी हुई है। वरुण धवन ने पोस्ट को कैप्शन दिया, ष्हम गर्भवती हैं। आप सभी के आशीर्वाद और प्यार की ज़रूरत है। नताशा और वरुण बचपन के प्रेमी हैं। नताशा का दिल जीतने का वरुण का सफ़र पार्क में टहलना नहीं था। करीना कपूर खान के साथ उनके रेडियो शो पर एक स्पष्ट साक्षात्कार में, वरुण ने आश्चर्यजनक खुलासा किया कि नताशा ने कई बार उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। बॉलीवुड की हिट फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाने वाले अभिनेता ने अपनी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती के बारे में बताया जो अंततः प्यार में बदल गई। उन्होंने कहा ष्पहली बार मैं नताशा से छठी कक्षा में मिला था। हम ग्यारहवीं या बारहवीं कक्षा तक दोस्त थे। हम बहुत करीबी दोस्त थे, वरुण ने साक्षात्कार के दौरान खुलासा किया। अपने शुरुआती स्कूल के दिनों को याद करते हुए, उन्होंने बास्केटबॉल कोर्ट पर एक यादगार मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा, मुझे उसे देखना याद है, और, जब मैंने उसे उस दिन देखा, तो मुझे लगा कि मुझे उससे प्यार हो गया है।

शबाना आजमी के सिनेमा में 50 साल पूरे, मीरा नायर के साथ होगी खास बातचीत

न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एनवाईआईएफएफ) के 24वें संस्करण में रविवार को दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी और फिल्म निर्माता मीरा नायर के बीच पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी। फिल्म फेस्टिवल (महोत्सव) के निदेशक असीम छाबड़ा ने न्यूयॉर्क से बात की और बताया, चर्चा से पहले फायर की स्क्रीनिंग होगी। इस फिल्म में शबाना आजमी और नंदिता दास ने मुख्य भूमिका निभाई थी। स्क्रीनिंग और पैनल चर्चा में शबाना को सम्मानित किया जाएगा। शबाना ने सिनेमा में 50 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि फेस्टिवल उन फिल्मों का जश्न मनाता है जिनमें भारत का सार होता है, वे भारत से और भारत के बारे में हो सकती हैं। इस फेस्टिवल का समापन सान्या मल्होत्रा स्टरार मिसेज के साथ होगा, जिसका निर्देशन आरती कदव ने किया है। एनवाईआईएफएफ उत्तरी अमेरिका का सबसे पुराना इंडियन फिल्म फेस्टिवल है। असीम ने बताया, इस बार 16 भारतीय भाषाओं की फिल्मों के साथ, पूरे भारत की 49 फिल्मों के साथ कवर करने का विचार है। फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत तरसेम सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म डियर जस्सी से हुई। यह फिल्म भारत, कनाडा और अमेरिका की कंपनियों का सह–निर्माण है। वास्तविक घटना पर आधारित यह फिल्म जसविंदर कौर सिद्धू की कहानी दिखाती है, जो एक पंजाबी कनाडाई महिला है। कोविड–19 महामारी के बाद यह फिल्म फेस्टिवल का दूसरा फिजिकल एडिशन है। 2021 और 2022 के एडिशन वर्चुअल आयोजित किए गए थे। बीते साल से ही फिल्म फेस्टिवल फिजिकल रूप से शुरू हुआ था।

रवीना टंडन पर मारपीट का आरोप, लोगों ने बीच सड़क पर एक्ट्रेस को घेरा, वीडियो वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन इस वक्त अपने एक वीडियो को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। दरअसल, एक्ट्रेस पर एक बुजुर्ग महिला और उनके परिवार के साथ मारपीट और गाली–गलौज करने का कथित आरोप लगा है। पीड़ित का आरोप है कि एक्ट्रेस रवीना टंडन ने बीती रात शराब के नशे में उनके साथ मारपीट की है। इसके बाद अभिनेत्री को स्थानीय लोगों द्वारा घेरकर उन पर हमला करने का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, ये पूरी घटना बीते शनिवार रात की है, प्राथमिक रुप से मिली जानकारी के मुताबिक रवीना के ड्राइवर पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और रिजवी कॉलेज के पास कार्टर रोड पर तीन व्यक्तियों को टक्कर मारने का कथित आरोप लगा है। इस घटना का विडियो भी सोशल मीडिया पर तोजी से सर्कुलेट हो रहा है। लेकिन जब हमनें पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की तो उन्होंने बताया कि यह घटना उस वक्त की है जब रवीना टंडन के घर के पास उनका ड्राइवर गाड़ी को रिवर्स ले रहा था तो इस दौरान उसकी कुछ लोगों से बहस हुई। इसके बाद वहां गरमा–गरमी ज्यादा बढ़ गई। वहीं बाहर हो रहे शोर–गुल की आवाज सुनकर रवीना टंडन बाहर आई और उन्होंने लोगों को समझाने और उनसे बात करने की कोशिश की तो लोगों ने उन्हें घेर लिया और उनपर कुछ महिलाओं द्वारा कथित तौर पर उन्हें ेनसज किए जाने का आरोप लगा दिया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने एक्ट्रेस के धक्का–मुक्की भी की। वीडियो में रवीना को कहते हुए सुना जा सकता है, "मुझे मत धक्का दो३कृपया मुझे मत मारो।" वहीं इस घटना के बाद दोनों पक्ष के लोग मुंबई के कर पुलिस स्टेशन पहुंचे और वहां उन्होंने पुलिस को लिखित में बयान दिया है कि उन्हें कोई भी कंप्लेंट दर्ज नहीं करनी। वहीं अब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा यह साफ कर दिया गया है, कि महिलाओं के लगाए सभी आरोप बेबुनियाद हैं, और इसमें रवीना की कोई गलती नहीं है।

बच्चे को चीनी खिलाएं या नहीं? इसका सही जवाब मिलेगा यहां

माता–पिता ने अपने बच्चों के चीनी सेवन में कटौती कर दी है। एक न्यूरोसाइंटिस्ट ने मस्तिष्क के कामकाज पर उच्च चीनी वाले ष्जंक फूडष आहार के नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन किया है, जिसमें दावा किया गया है कि अत्यधिक चीनी के सेवन से युवा दिमाग को कोई लाभ नहीं होता है। लेकिन आज के वैज्ञानिक प्रमाण इस दावे का समर्थन नहीं करते हैं कि चीनी बच्चों को अतिसक्रिय बनाती है।

अतिसक्रियता मिथक

चीनी शरीर के लिए ईंधन का एक तीव्र स्रोत है। चीनी से प्रेरित सक्रियता के मिथक का पता 1970 और 1980 के दशक की शुरुआत में किए गए कुछ अध्ययनों से लगाया जा सकता है। यह फिंगोल्ड डाइट पर केंद्रित किया गया था, जो एक ऐसी बीमारी के उपचार के रूप में अपनाया गया था, जिसे अब हम अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) कहते हैं, एक न्यूरोडाइवर्जेंट प्रोफाइल जहां असावध ाानी औरध्या अति सक्रियता और आवेग की समस्याएं स्कूल, काम या रिश्तों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं। कुछ अध्ययन में दावा किया गया है कि अतिसक्रिय बच्चों का एक बड़ा हिस्सा उनके आहार के प्रति अनुकूल प्रतिक्रिया देता है।

चीनी पर किए गए कई अध्ययन

कई अध्ययनों से पता चला है कि चीनी बच्चों के व्यवहार या ध्यान अवधि पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं डालती है। लगभग 20 साल पहले प्रकाशित एक ऐतिहासिक मेटा–विश्लेषण अध्ययन में कई अध्ययनों में बच्चों के व्यवहार पर प्लेसिबो बनाम चीनी के प्रभावों की तुलना की गई थी। परिणाम स्पष्ट थेरू अधिकांश अध्ययनों में, चीनी के सेवन से सक्रियता या विघटनकारी व्यवहार में वृद्धि नहीं हुई। बाद के शोध ने इन निष्कर्षों को मजबूत किया है, जिससे यह सबूत मिलता है कि चीनी बच्चों में अति सक्रियता का कारण नहीं बनती है, यहां तक कि एडीएचडी से पीड़ित लोगों में भी नहीं। स्कूल–पूर्व आयु वर्ग के बच्चे बड़े बच्चों की तुलना में खाद्य योजकों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। यह संभवतः उनके शरीर के छोटे आकार, या उनके अभी भी विकसित हो रहे मस्तिष्क और शरीर के कारण है।

बच्चों के खाने–पीने का रखें ख्याल

एक अध्ययन में जहां माता–पिता को बताया गया कि उनके बच्चे को या तो मीठा पेय, या प्लेसबो पेय (गैर–चीनी स्वीटनर के साथ) दिया गया था, उन माता–पिता को, जो उम्मीद करते थे कि चीनी लेने के बाद उनका बच्चा अतिसक्रिय हो जाएगा, उन्हें वैसे ही प्रभाव का अनुभव हुआ, भले ही उनके बच्चे ने केवल शुगर–फ्री प्लेसिबो लिया था। चीनी को राक्षसी ठहराने के बजाय, हमें संयम और संतुलित पोषण को प्रोत्साहित करना चाहिए, बच्चों को स्वस्थ खान–पान की आदतें सिखानी चाहिए और भोजन के साथ सकारात्मक संबंध को बढ़ावा देना चाहिए। बच्चों और वयस्कों दोनों में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) मुक्त चीनी की खपत को ऊर्जा सेवन के 10 प्रतिशत से कम तक सीमित करने और आगे के स्वास्थ्य लाभ के लिए इसे 5 प्रतिशत तक कम करने की सिफारिश करता है।

हल्दी का तेल त्वचा और बालों के लिए किसी खजाने से कम नहीं, मिलते हैं जबरदस्त फायदे

हल्दी के चमत्कारिक फायदे से हम सभी परिचित हैं, जैसे कि हल्दी का मास्क चेहरे पर लगाते हैं। लेकिन क्या आप अपनी त्वचा और बालों के लिए हल्दी तेल के उपयोग के बारे में जानते हैं? हल्दी से प्राप्त हल्दी का तेल एक बहुमुखी और शक्तिशाली प्राकृतिक उपचार है जो कई लाभ प्रदान करता है। हल्दी के तेल में शक्तिशाली जड़ी–बूटियां और सूजन–रोधी क्षमताएं हैं, जो इसे आपके सौंदर्य में एक प्रमुख घटक बनाती है। 2016 में जर्नल फाइटोथेरेपी रिसर्च में प्रकाशित एक अध्ययन में त्वचा पर हल्दी तेल के प्रभाव की जांच की गई। निष्कर्षों से तेल के कई लाभकारी प्रभावों का पता चला, जिसमें खोपड़ी पर शीर्ष पर लगाने पर बालों के झड़ने, खोपड़ी की खुजली और रूसी को संबोधित करने में इसकी प्रभावशीलता भी शामिल है।

हल्दी तेल के त्वचा संबंधी लाभ

एंटी–इंफ्लेमेटरी के गुण

हल्दी के तेल में करक्यूमिन होता है, जो एक शक्तिशाली एंटी–इंफ्लेमेटरी यौगिक है। हल्दी के तेल को ऊपर से लगाने से मुंहासे, एक्जिमा और सोरायसिस जैसी विभिन्न त्वचा स्थितियों से जुड़ी सूजन, लालिमा और सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है।

एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा

हल्दी तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों को बेअसर करने में मदद करते हैं, त्वचा कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाते हैं। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने, महीन रेखाओं, झुर्रियों और उम्र के धब्बों की उपस्थिति को कम करने और अधिक यूथ रंगत को बढ़ावा देने में मदद करता है।

मुंहासे का उपचार

हल्दी के तेल में जीवाणुरोधी और रोगाणुरोधी गुण होते हैं जो मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में प्रभावी होते हैं। यह सीबम के उत्पादन को भी नियंत्रित करता है, जो बंद छिद्रों और ब्रेकआउट को रोकने में मदद करता है। नियमित रूप से हल्दी तेल का उपयोग करने से मुंहासे को साफ करने और साफ रंगत को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

चमकदार और समान त्वचा टोन

हल्दी के तेल में त्वचा को चमकाने वाले गुण होते हैं जो काले धब्बे, हाइपरपिग्मेंटेशन और मुंहासे के निशान को कम करने में मदद कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह मेलेनिन के उत्पादन को रोकता है, जो त्वचा के रंग के लिए जिम्मेदार वर्णक है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा का रंग एकसमान और चमकदार होता है।

मॉइस्चराइजिंग और हाइड्रेटिंग

हल्दी का तेल आवश्यक फैटी एसिड और विटामिन से भरपूर होता है जो त्वचा को पोषण और हाइड्रेट करता है, जिससे यह नरम, कोमल और नमीयुक्त हो जाता है। यह त्वचा के प्राकृतिक अवरोधक कार्य को मजबूत करने, नमी की कमी को रोकने और समग्र त्वचा स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है।

हल्दी तेल के बालों के फायदे

बालों के विकास को बढ़ावा देता है

हल्दी का तेल बालों के रोम में रक्त परिसंचरण में सुधार करके, जड़ों को मजबूत करके और बालों का झड़ना कम करके बालों के विकास को बढ़ावा देता है।

स्कैल्प की स्थिति का इलाज करता है

हल्दी तेल के सूजन–रोधी और एंटिफंगल गुण विभिन्न खोपड़ी स्थितियों, जैसे रूसी, खुजली और खोपड़ी सोरायसिस को शांत करने और ठीक करने में मदद करते हैं। यह खोपड़ी के पीएच स्तर को संतुलित करने में भी मदद करता है, जिससे स्वस्थ बालों के विकास के लिए एक इष्टतम वातावरण बनता है।

चमक जोड़ता है

इसके अलावा, हल्दी के तेल में करक्यूमिनोइड्स होते हैं, जो बालों को प्राकृतिक चमक और चमक प्रदान करते हैं। हल्दी तेल का नियमित उपयोग सुस्त, बेजान बालों को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकता है, जिससे वे स्वस्थ और अधिक जीवंत दिखते हैं।

सिर की त्वचा की जलन को शांत करता है

हल्दी के तेल में सुखदायक गुण होते हैं जो खोपड़ी की जलन और सूजन को शांत करने में मदद कर सकते हैं। यह खुजली, लालिमा और असुविधा से राहत देता है, संवेदनशील या चिड़चिड़ी खोपड़ी वाले लोगों को राहत प्रदान करता है।

हल्दी तेल का उपयोग कैसे करें

फेस मास्क

DIY फेस मास्क बनाने के लिए हल्दी के तेल को अन्य प्राकृतिक सामग्री जैसे शहद, दही, या दलिया के साथ मिलाएं। मास्क को ताजी साफ की गई त्वचा पर लगाएं और धोने से पहले इसे 15–20 मिनट तक लगा रहने दें।

बालों के तेल से उपचार

हल्दी के तेल को हल्का गर्म करें और इससे सिर और बालों में मालिश करें। अधिकतम लाभ के लिए इसे रात भर लगा रहने दें, फिर अगली सुबह हल्के शैम्पू से धो लें।

स्पॉट ट्रीटमेंट

मुंहासों के दाग, निशान या काले धब्बों पर सीधे हल्दी तेल की एक बूंद लगाएं, ताकि समय के साथ उन्हें हल्का करने में मदद मिल सके। किसी भी एलर्जी प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए पहले से ही पैच परीक्षण करना सुनिश्चित करें।

त्वचा को हेल्दी और जवां रखने के लिए फॉलो करें ये नाइट केयर रूटीन, झुर्रियों की होगी छुट्टी

त्वचा संबंधी परेशानियों में झुर्रियों की समस्या भी शामिल है। झुर्रियों के कारण फेस पर फाइन लाइंस आने लगती हैं और त्वचा की कसावट कम हो जाती है। हालांकि झुर्रियों की समस्या अधिकतर बढ़ती उम्र में नजर आती है। लेकिन कई बार अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण यह कम उम्र में भी चेहरे पर नजर आ सकती है। अनहेल्दी लाइफस्टाइल में तनाव लेना, जंक फूड का अधिक सेवन करना और देरी से सोना आदि शामिल है। वहीं खासकर नाइट रूटीन से जुड़ी कई अनहेल्दी आदतें रिंकल्स का कारण बन सकती हैं। क्योंकि रात के समय आपकी स्किन को हील और रिपेयर होने का समय मिलता है। ऐसे में अगर आप रात में कुछ स्किन केयर रूटीन अपनाती हैं, तो झुर्रियों का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जो आपकी त्वचा को हेल्दी और जवां रखने में मदद करेंगी।

सिल्क का तकिया

सोने के दौरान सिर्फ सिल्क का तकिया इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि सिल्क आपकी स्किन में नमी को बनाए रखता है। ऐसे में यदि आप अगर सिल्क की तकिया पर चेहरा भी रख लेंगे, तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान नहीं होगा।

मेकअप रिमूव करें

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जो रोजाना मेकअप करती हैं। तो रात में सोने के दौरान मेकअप रिमूव करना न भूलें। क्योंकि मेकअप में तमाम सारा केमिकल मौजूद होता है, जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए फेसवॉस कर स्किन को मॉइस्चराइज करें। इससे आपकी त्वचा हाइड्रेट रहती है।

स्किन को मॉइस्चराइज करें

रात को सोने से पहले अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज करना न भूलें। मॉइस्चराइज करने से आपकी त्वचा में नमी बनी रहती है और त्वचा हेल्दी रहती है। क्योंकि रात में त्वचा को हील और रिपेयर होने का समय मिलता है। ऐसे में जब आप सोने से पहले स्किन को मॉइस्चराइज करते हैं, तो आपकी त्वचा स्मूद और सॉफ्ट बनती है।

स्क्रीन टाइम करें कंट्रोल

स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। क्योंकि स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू रेज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए सोने से करीब 1 घंटे पहले से मोबाइल का इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। वहीं सोने से पहले स्किन केयर रूटीन और दिमाग को रिलैक्स करने वाली एक्टिविटी कर सकते हैं।

क्लींजिंग है जरूरी

सोने से पहले क्लींजिंग करना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि पूरे दिन में धूल–धूप और मिट्टी के संपर्क में आने से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में अगर आप सोने से पहले क्लींजिंग नहीं करती हैं, तो स्किन सेल्स में गंदगी जमने लगती है। इसलिए सोने से पहले क्लींजिंग जरूर करें, इससे आपकी त्वचा हेल्दी और जवां बनी रहेगी।

कैफीन करें अवॉइड

कई लोग रात में सोने के दौरान चाय या कॉफी का सेवन करते हैं। चाय और कॉफी में कैफीन पाया जाता है, जो आपकी त्वचा को ड्राई बना सकता है। वहीं कैफीन का सेवन करने से आपकी नींद भी प्रभावित हो सकती है। जोकि डार्क सर्कल्स और झुर्रियों का कारण बन सकती है। इसलिए अगर आपको रात में चाय या कॉफी पीने की आदत है, तो सोने से करीब 4–5 घंटे पहले इसका सेवन करना चाहिए।

गर्मी होगी छूमंतार घर पर बनाएं ऑरेंज स्लश, इस तरह से बनाएं ये आइस ड्रिंक

गर्मियों में अक्सर कुछ ठंडा खाने का मन करता ही रहता है। ऐसे में आप सभी शिकंजी, लस्सी, कुल्फी, आइसक्रीम और चुस्की के जरुर मजे लेते हैं। गर्मी में खुद को कूल रखने के लिए घर में आप ऑरेंज स्लश बना सकते हैं। इसमें फ्रूट्स और अन्य फ्लेवर्स को बर्फ के साथ तैयार किया जाता है। यह एक थीक आइस ड्रिंक होती है। इसमें फ्लेवर्ड आइस को चूरा–चूरा कर दिया जाता है, इसे आप आराम से पी सकते हैं। चलिए आपको इस रेसिपी की विधि बताते हैं।

ऑरेंज स्लश की सामग्री

– आइस क्यूब की ट्रे
– आधा किलो संतरे या ऑरेंज जूस
– स्वादनुसार चीनी
– एक बड़ा चम्मच नींबू का रस
– प्लेन सोडा
– शहद या मेपल सिरप

ऑरेंज स्लश बनाने का तरीका

– सबसे पहले आप ऑरेंज जूस ले सकते हैं या फिर ताजा संतरे से ही जूस निकालकर उसका प्रयोग करें।

– संतरे का जूस निकालकर उसमें चीनी डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स कर लें। चीनी अच्छी तरह से घुल जानी चाहिए।

– आप इसमें चीनी की जगह शहद या मेपल सिरप भी डाल सकते हैं।

– अब ऑरेंज का जूस में आधा कप सोडा और एक चम्मच नींबू का रस डालें। अच्छी तरह से सामग्री को मिलाएं। इस तैयार ड्रिंक को फ्रिज में चिल्ड होने के लिए लगभग डेढ़– दो घंटे के लिए रख दें।

– आपके फ्रीजर में से आइस क्यूब की ट्रे निकालकर क्यूब्स को ब्लेंडर में डालकर क्रश करें। अगर आपके पास आइस का बड़ा ब्लॉक है, तो उसे शेव भी कर सकते हैं।

– एक गिलास में क्रश की हुई आइस डालें और उसमें फ्रिज से निकाला हुआ संतरे का जूस डालकर चम्मच की मदद से अच्छी तरह से मिलाएं और सर्व करें।

– वहीं आप इसे किसी भी तरह के फ्रूट जूस से बना सकते हैं। दिन भर इस ड्रिंक को धीरे–धीरे सिप करें और गर्मी से राहत पाएं।

बिलासपुर...इकाई. की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

बिलासपुर । शहर समता विचार मंच..... बिलासपुर... की महिला काव्य गोष्ठी..... शुभा भौमिक..... के संयोजन मे..... .... डॉ संगीता बनाफर..... की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि..... डॉ शोभा त्रिपाठी... .....एवं विशिष्ट अतिथि..... डॉ प्रीति प्रसाद..... . रही।

यह काव्य गोष्ठी ..4.30 ..... बजे सै...5.30..... बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही..... डॉ संगीता ... बनाफर..... द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति ...शुभा भौमिक..... द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन... डॉ सीमा भट्टाचार्य..... ने किया। इस काव्य गोष्ठी में... डॉ शोभा त्रिपाठी, डॉ प्रीति प्रसाद ,डॉ संगीता बनाफर ,डॉ सीमा भट्टाचार्य एवं शुभा भौमिक ...ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें । धन्यवाद ज्ञापन..डॉ संगीता बनाफर.....ने किया।

नगर पंचायत मऊ में पेट्रोल पंप के समीप पास खुला नया नर्सिंग होम

मऊ संवाददाता। प्रयागराज कर्बी हाईवे स्थित वंदना नर्सिंग होम का उद्घाटन विधायक मऊ मानिकपुर अविनाश चंद्र द्विवेदी

ने और नगर पंचायत अध्यक्ष अमित द्विवेदी द्वारा किया गया जिसमें सभी तरह की सुविधा उपयुक्त मशीनरी द्वारा उचित मूल्य पर सभी मरीजों की दवा की जाएगी और सभी तरह की जांच भी होगी सजो मरीज को दावा करने पर भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था या तो प्रयागराज जो की मऊ से 70 किलोमीटर है और चित्रकूट 50 किलोमीटर जिसके वजह से यहां पर बीमार होने वाले लोगों को उचित दवा और जांच नहीं हो पा रही थी सइससे मरीजों को बहुत ही परेशानी उठानी पड़ती थी यहां पर नर्सिंग होम खुलने के वजह से अब लोगों को अच्छी दवा और जांच होने से राहत मिलेगी उचित डॉक्टरों द्वारा उनकी सभी तरह की बीमारियों का इलाज होगा सइस उद्घाटन मैं प्रमुख रूप से मौजूद डॉ प्रभात त्रिपाठी डॉ विनोद त्रिपाठी जन्मेजत द्विवेदी सुमित द्विवेदी प्रशांत तिवारी अंकित तिवारी कुलदीप मिश्रा संतोष त्रिपाठी अप्पू सिंह ओम प्रकाश मिश्रा बालाजी शारदा अग्रहरि दिलीप मिश्रा मोहम्मद अयूब आदि लोगों ने मौके पर मौजूद रहे।

यूपी में बसपा सबसे बुरी चुनावी हार का सामना कर रही

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपनी सबसे बुरी चुनावी हार का सामना कर रही मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर पीछे है। निर्वाचन आयोग के अनुसार वर्तमान में बसपा को देश में लगभग 1.92 प्रतिशत वोट मिले हैं और उत्तर प्रदेश में 9.16 प्रतिशत वोट मिले हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, अपराह्न दो बजे तक समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में 37 लोकसभा सीट पर आगे हैं, जबकि 'इंडिया' में उनकी सहयोगी कांग्रेस सात सीट पर आगे है। राज्य में भाजपा 33 सीट पर आगे है, जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल और अपना दल (सोनेलाल) एक–एक सीट पर आगे हैं। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर नगीना (एससी) सीट से अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी से 1.09 लाख से अधिक मतों से आगे हैं।

जीवन जीना फूलों से सीखो

हंसते मुस्कुराते फूल, हमें जीना सिखाते हैं,
जीवन जीना एक कला है, यह हमें बताते हैं।

धूप हो या बरसात ,फूल सदा मुस्कुराते हैं,
सुख दुख में हंसना ,यह फूल हमें सिखाते हैं।

चाहे कितनी भी मुसीबत आए, हंसते हुए जीना,
फूलों को देखो,हर हाल में इन्हे है खिलना...।

फूल हमें जिंदगी में ,आगे बढ़ना सिखाते हैं,
चाहे जो भी हो जाए, हर हाल में मुस्कुराते हैं।

फूलों को देखो,ईश्वर का श्रृंगार सजाते हैं,
देवालय मैं हम पुष्पों का, प्रभु को हार चढ़ाते हैं।

लगते हैं ये कितने सुंदर, जब गजरे में सज जाते हैं,
फूलों का गुलदस्ता देकर,हम मान–सम्मान बढ़ाते हैं।

यह फूल देखो सदा ही, खिल खिलाते हैं,
फूलों को देखकर हम ,गीत गुनगुनाते हैं।

फूलों से तुम कुछ सीखो, कांटो के संग रह कर मुस्कुराते हैं,
यह हमें सुख दुख में ,सम भाव से जीना सिखाते हैं।

फूल त्याग भावना रखते, लोगों पर बिछ जाते हैं,
मंडराते हैं इनके सिर पर भौंरे, फिर भी नहीं घबराते हैं।

जिंदगी जीने की कला हमें, यह फूल सीखाते हैं,
कभी अभिमान मत करना, हमें यह फूल बताते हैं।

रंजना बिनानी काव्या
गोलाघाट असम

एनसीसी के बच्चों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

प्रयागराज। सेंटजॉन्स एकेडमी रामपुर में 15 बीएन एनसीसी कैंप के बालक वा बालिकाओं को प्रयागराज पाण्डेय द्वारा सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर कर्नल पीएस महापात्रा बतौर मुख्य अतिथि

यातायात निरीक्षक पवन कुमार मौजूद रहे। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा पवन पाण्डेय जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में निरीक्षक पवन पाण्डेय द्वारा बताया कि सड़क दुर्घटना में न जाने कितने लोगों की जान चली जाती है। खासकर साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित सफर करना एक बड़ी चुनौती बन गई है। कारण है कि लोग नियमों को लेकर लापरवाही करते हैं। छात्रों को बताया गया कि कार चालक सीट बेल्ट वा दोपहिया चालक सही मानकों वाला हेलमेट पहनकर ही घर से निकलें। सड़क पर हमेशा दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए। सड़क किनारे लगे दिशासूचक बोर्ड व सड़क सुरक्षा नियमों की भलीभांति जानकारी होनी चाहिए। वाहन चलाते समय नशा न करें। लोग कान में इयरफोन लगाकर गाड़ी चलाते हैं जो बेहद खतरनाक है। उन्होंने कई उदाहरण के माध्यम से छात्रों को बताया। इस कार्यशाला में एनसीसी के 530 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

इस कार्यशाला में मेजर राजेश तिवारी,सुबेदार रवि सिंह, जनार्दन दुबे,नितीश शुक्ल,प्रदीप दुबे,संदीप शुक्ल आदि लोग उपस्थित थे।.

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक शपथ ग्रहण एवं वृक्षारोपण

प्रतापगढ़। आरोग्य भरती प्रतापगढ़ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण

संरक्षण एवं संवर्धन के लिये हरित शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर शहीद उद्यान प्रतापगढ़ में विचार संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान धन्वंतरि एवं माँ भारती के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। आरोग्य भारती काशी प्रांत उपाध्यक्ष डा रंगनाथ शुक्ल ने

सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने, उसे संरक्षित करने व पृथ्वी को सदैव हरा–भरा रखने को कहा। संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डा अवनीश पाण्डेय ने किया।

प्रतापगढ़ इकाई के अध्यक्ष डा सुधांशु उपाध्याय ने प्लास्टिक से पर्यावरण के संरक्षण के लिए सिक्स आर का मंत्र दिया। उन्होंने रिड्यूस, रियूज, रिसाइकल, रिकवर, रिफैब्रिकेट और रिपेयर के फार्मूले को अपनाने की अपील की।

वरिष्ठ चिकित्सक डा सुरेश शर्मा ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने सृष्टि के प्रत्येक वस्तु के कल्याण की बात की है। कल्याण मतलब कोई भी वस्तु प्रदूषित न होने पाए। पहले हम यज्ञ करते थे, घर–घर हवन होता था। इन सबको तिलांजलि देकर हमनें ऐसी जीवन पद्धति अपना ली जो आज हमारे लिए ही घातक हो गई।

इस अवसर पर पार्क में भ्रमण करने आये बच्चों और उनके अभिभावकों को अपने जन्मदिन एवं विशेष अवसरों पर वृक्षारोपण कर पेड़ पौधों की देखरेख करने के लिए जागरूक किया गया।इस अवसर सदस्यों ने बच्चों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। वृक्षों के बचाव की शपथ दिलाई गई। जिससे वृक्षों का संरक्षण किया जा सके। अमित शुक्ला ने कहा कि भारत समेत पूरी दुनिया में 5 जून को शविश्व पर्यावरण दिवसश मनाया जाता है। हर साल इस दिन को एक नई थीम के साथ मनाया जाता है। भारत में इस दिन पर्यावरण से जुड़े कई जागरूक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम श्हमारी भूमिश नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है।

डा सिमरन उपाध्याय ने पर्यावरण के प्रभावित करने वाले विभिन्न मानव कृत्यों पर विचार रखते हुए जल, वायु, भूमि प्रदूषण से बचाव के विषय में जानकारी दी।

इस आयोजन में डा पवन कुमार मिश्रा, डा पंकज मिश्रा, डा रंगनाथ शुक्ल, डा सुरेश शर्मा, डा सुधांशु उपाध्याय, डा अवनीश पंडव्य, डा ब्रह्मानंद, अमित शुक्ला, डा सिमरन उपाध्याय, राकेश शर्मा, विनोद मिश्रा, बजरंग कौशिक, सुनीता प्रजापति, शिवांश, कृष्णा, नेहा, साहिल, आस्था, आदि मौजूद रहे।

वोटिंग में महिलाओं की बड़ी हिस्सेदारी, 17 सीटों पर किया पुरुषों से ज्यादा मतदान

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर हुए मतदान के नतीजे आज घोषित किए जाएगे। आज कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना हो रही है। प्रदेश में इस बार मतदान करने वाले में महिलाओं की संख्या ज्यादा है। अवध और पूर्वांचल की 17 लोकसभा सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया है। बता दें कि यूपी की अवध और पूर्वांचल की 17 सीटों पर महिला वोटरों ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया है। ऐसा माना जा रहा है कि इन क्षेत्रों में पुरुष कमाने के लिए बड़े शहरों में चले जाते हैं और मतदान के दिन लौटते नहीं हैं। यही वजह है कि यहां महिलाएं पुरुषों से मतदान में आगे रहती हैं और बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी की सीट महराजगंज में पुरुषों के मुकाबले महिलाएं सबसे आगे रहीं। यहां 58,424 महिलाओं ने पुरुषों के अनुपात

में अधिक मतदान किया। जबकि, बस्ती में पुरुष और महिला मतदाताओं की संख्या में 20 का अंतर रहा। वहां महिला मतदाताओं की संख्या अधिक रही। देवरिया में भी पुरुषों से 53,839 महिला मतदाता अधिक रहीं। वहीं, रायबरेली सीट से भी महिला मतदाताओं ने ज्यादा वोट डाले। इसके अलावा सुल्तानपुर, आजमगढ़, बासंगांव, लालगंज और मछलीशहर, कुशीनगर, डुमरियागंज, सलेमपुर, संतकबीरनगर में भी महिला वोटरों ने ज्यादा मतदान किए। उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा सीटों पर सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हो गई है। वोटों की गिनती 75 जिलों के 81 केंद्रों पर की जा रही है। पिछले दो चुनावों में यहां की जनता ने भाजपा का साथ दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 में देखना होगा कि जनता किसके साथ देती है। उत्तर प्रदेश में मतगणना शुरू होने के साथ ही सबसे पहले पोस्ट बैलेट से गणना शुरू होगी। इसके आधे घंटे बाद ईवीएम से गणना शुरू की जाएगी। वहीं, अगले दो घंटों में रूझान आना शुरू हो जाएंगे। एग्जिट पोल में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को लाभ होने की संभावना जताए जाने के बाद विपक्षी दलों सपा–कांग्रेस ने मतगणना के लिए कमर कस ली है।

सहकारी आवास निर्माण एवं वित्त निगम पर भंडारा

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में सहकारी आवास निर्माण एवं वित्त निगम के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने कतार में खड़े होकर प्रसाद लिया। भंडारे के आयोजकों में शामिल पूनम अवस्थी ने कहा कि उनके विभाग के द्वारा हर साल भंडारे का आयोजन किया जाता है। लखनऊ में जितने भंडारे होते हैं उतने पूरे प्रदेश में कहीं नहीं कराया जाता। पूनम अवस्थी ने कहा, लखनऊ में होने वाले भंडारा गंगा–जमुनी तहजीब की एक मिसाल है। जिसमें सभी धर्म के लोग शामिल होते हैं। भंडारे में प्रसाद बांट रहे रघुवीर सिंह ने बताया, बड़े मंगल पर होने वाले भंडारे में हिस्सा लेकर लोगों की सेवा कर रहे हैं। यह उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि विगत कई वर्षों से भंडारा हो रहा है। जिसमें विभाग के सभी लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। गुडंबा में बड़ा मंगल के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया है। भीषण गर्मी के बीच यह आयोजन कीर्ति लता ने करवाया है। इस मौके पर प्रसाद लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कीर्ति लता ने बताया, प्रभु की भक्ति में बचपन से ही करती आ रही हैं। हर वर्ष बड़ा मंगल पर भंडारे का आयोजन करती है। इस साल भी उन्होंने इस भंडारे में भक्तों के लिए प्रसाद

में पूड़ी–सब्जी, चावल और बूँदी सहित कोल्ड ड्रिंक बांटा है। उन्होंने बताया, यह भंडारा देर शाम तक चलेगा। प्रसाद लेने के लिए भक्तों की लगातार लाइन बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया, इस वर्ष 2 हजार लोगों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई है।

संक्षिप्त

इंडिया गठबंधन की बल्ले–बल्ले, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के रुझानों में इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में दिखाई पड़ रहा है। जिसके चलते कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ता आतिशबाजी कर खुशी का इजहार कर रहे हैं। अभी तक के रुझानों में एनडीए 292 सीटों पर आगे चल रही है, वहीं इंडिया गठबंधन 234 सीटों पर आगे चल रही है। मौजूदा स्थित के अनुसार अभी तक बीजेपी बहुमत से दूर है, हालांकि जानकार एनडीए की सरकार बनने की बात कह रहे हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन से कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। कार्यकर्ता इस उत्साह को जाहिर भी कर रहे हैं।

हल्की बारिश और हवा चलने से बदला मौसम, गर्मी से मिली थोड़ी राहत

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में सोमवार देर रात के बाद से तेज हवाएं चलने का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह हुई हल्की बारिश ने लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत दी है। गौरतलब है की बीते तकरीबन एक हफ्ते से पूरे यूपी में भीषण गर्मी का

प्रकोप जारी है। कई शहरों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया था। गर्मी में ट्रांसफार्मरों को ठंडा रखने के लिए उनके सामने कूलर तक लगाए गए। गर्मी की वजह से दिन के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। इस सबके बीच हल्की बारिश से लोगों को कुछ हद तक गर्मी से राहत दी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मौसम में परिवर्तन हो रहा है और इस वर्ष ग्लोबल वार्मिंग से गर्मी में इजाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि जून में प्रदेश के कई इलाकों में हल्की बारिश से राहत मिलेगी। साथ ही अभी चल रही गर्म हवाओं में भी कमी देखने को मिलेगी। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ में अब तक हीट वेव की चपेट में आकर 5 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। अस्पतालों में भी उल्टी, दस्त और लू लगने से पीड़ित मरीज अपना इलाज कराने आ रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने केएल शर्मा को दी बधाई, अमेठी की जनता के लिए लिखा पोस्ट

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में अमेठी में निर्णायक जीत की ओर बढ़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल को पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बधाई दी है। वाड्रा ने एक्स पर पोस्ट किया" किशोरी भैया, मुझे कभी कोई शक नहीं था, मुझे शुरू से यकीन था कि आप जीतोगे। आपको और अमेठी के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई। गौरतलब है कि गांधी परिवार के नजदीकी किशोरी लाल अमेठी संसदीय सीट से पहली बार चुनाव मैदान में उतरे हैं और वह केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी से 91 हजार से अधिक मतों से बढ़त बनाये हुये हैं। प्रियंका गांधी ने अमेठी में चुनाव प्रचार की कमान संभाली थी और अमेठी की जनता से किशोरी लाल के पुराने रिश्तों की दुहाई देते हुये जीत की अपील की थी। किशोरी लाल के पक्ष में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी,राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने रोड शो भी किया था।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर, लखनऊ कांग्रेस कार्यालय में लगाये जा रहे राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के फाइनल नतीजे आना अभी बाकी है। लेकिन यूपी में कांग्रेसी कार्यकर्ता खुशी में दिख रहे हैं। लखनऊ कार्यालय पर पहुंचे काफी संख्या में कार्यकर्ता राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए दिखे। यूपी की रायबरेली सीट पर बीजेपी ने राहुल गांधी के खिलाफ दिनेश प्रताप सिंह को उतारा है। वो योगी सरकार में मंत्री भी हैं। लेकिन यहां पर राहुल गांधी करीब डेढ़ लाख वोटों से आगे चल रहे हैं। वहीं वायनाड लोकसभा सीट की बात की जाए तो राहुल गांधी यहां से भी आगे चल रहे हैं। राहुल गांधी ने कम्युनिस्ट पार्टी की एनी राजा को ढाई लाख वोटों से पीछे कर दिया है। इसको देखते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। अभी तक यूपी में कई सीटों पर कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करती दिख रही है। पिछले कई चुनावों में जहां वो दहाई के अंक को भी पाने को कांग्रेस तरस रही थी, वहीं इस बार अभी तक वो 7 सीटों पर अच्छी बढ़त बनाए हुए है। अभी तक के आंकड़ों के मुताबिक समाजवादी पार्टी 35 सीटों पर आगे चल रही है। जबकि बीजेपी 35 सीटों पर आगे है।

खुल गई बीजेपी की पोल, झूठा निकला एग्जिट पोल : जिया उर रहमान बर्क

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर बीते दिनों सामने आए एग्जिट पोल ने एनडीए के लिए 350–400 सीटों के साथ जीत का दावा किया था। इसके अलावा, लोकसभा चुनाव प्रचार में भी बीजेपी ने 400 पार का नारा लगाया था, लेकिन अब जब रुझान सामने आ रहे हैं, तो यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि एनडीए दूर–दूर तक इन आंकड़ों को स्पर्श करता हुआ नजर नहीं आ रहा है। इंडिया गठबंधन के नेता लगातार अब तंज कस रहे हैं। इसके साथ ही एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठा रहे हैं। वहीं, अब इस पर शफीकुर रहमान बर्क के पोते और सपा नेता जिया उर रहमान बर्क ने भी एग्जिट पोल की विश्सनीयता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, "हम तो इस बात को काफी पहले से ही कहते आ रहे हैं कि यह जनता का एग्जिट पोल नहीं, बल्कि बीजेपी का एग्जिट पोल है। लेकिन अब जो रुझान सामने आ रहे हैं, वह जनता का पोल है। मैं दावे के साथ कहता हूं कि शाम होते–होते हमारी सीटें और बढ़ेंगी। हम ऐतिहासिक जीत हासिल करेंगे। इसके अलावा, हम संभल में भी अच्छे खासे मार्जिन के साथ जीत का परचम लहराने जा रहे हैं।" इस दौरान, उन्होंने बीजेपी के 400 पार के नारे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "जैसे–जैसे रुझान सामने आ रहे हैं, वैसे–वैसे बीजेपी के दावे की पोल खुलती जा रही है।

चीन को अब अफ्रीका से खदेड़ने की तैयारी, तंजानिया के द्वीप पर भारत का कब्जा

तंजानिया में चीन ने किस कदर मजबूती से अपने पैर जमा लिए हैं। ये बात दुनिया जानती है। ऐसे में उसकी गहरी रणनीतिक पैठ को कमजोर करने के मकसद से भारत ने भी एक बड़ा कदम उठाया है। तंजानिया बंदरगाह पर अब भारत का राज होगा। अडानी इंटरनेशनल पोर्टस होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड ने तंजानिया बंदरगाह प्राधिकरण के साथ 30 साल के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत एआईपीएच अब 30 सालों तक तंजानिया के दार एस्लाम बंदरगाह पर कंटेनर टर्मिनल 2 का परिचालन और प्रबंधन करेगा। इस डील से

भारत को अब अफ्रीकी महाद्वीप में काफी मदद मिलने वाली है। एडी पोर्ट्स ग्रुप की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले इस डील से ने + 39.5 मिलियन में हचिसन पोर्ट होल्डिंग्स, हचिसन पोर्ट इन्वेस्टमेंट्स और हारबर्स इन्वेस्टमेंट से तंजानिया इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल सर्विसेज का 95 प्रतिशत अधिग्रहण किया है। डील जून के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। TICTS के पास सभी पोर्ट हैंडलिंग उपकरण हैं और वह दार एस सलाम पोर्ट पर कंटेनर टर्मिनल 2 पर जनशक्ति को नियुक्त करता है, और यह टर्मिनल का संचालन करेगा। बंदरगाह के टर्मिनल 2, जिसकी वार्षिक कंटेनर क्षमता 1 मिलियन टीईयू है, ने 2023 में लगभग 0.82 मिलियन टीईयू को संभाला, जो तंजानिया के कुल कंटेनर वॉल्यूम का 83 प्रतिशत है। अदानी इंटरनेशनल पोर्ट होल्डिंग भारतीय अरबपति गौतम अदानी के अत्यधिक विविध व्यापार साम्राज्य का हिस्सा है। समूह सक्रिय रूप से नए बाज़ारों की तलाश कर रहा था, जिसमें अफ़्रीका को एक प्रमुख नए प्रवेश बिंदु के रूप में देखा गया था। एडी पोर्ट्स ग्रुप के साथ नई डील के जरिए अडानी ने ऐसा ही किया है। इस तरह की रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य तंजानिया में बुनियादी ढांचे को विकसित करने, इसके आर्थिक विकास का समर्थन करने और विश्व स्तर पर इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए हमारी संयुक्त जानकारी और विशेषज्ञता का लाभ उठाना है।

संक्षिप्त

पांच दिन की चीन यात्रा पर रवाना हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मंगलवार को चीन की पांच दिवसीय सरकारी यात्रा पर रवाना हुए, जिसका मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाना और अरबों डॉलर के चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत सहयोग बढ़ाना है। शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर चार से आठ जून तक चीन की यात्रा पर रहेंगे।

'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के नेता शरीफ (72) मार्च में पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार बनने पर दूसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद पहली विदेश यात्रा पर चीन रवाना हुए हैं। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने पिछले सप्ताह बीजिंग में कहा था कि अपनी यात्रा के दौरान शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी के साथ वार्ता करेंगे और चीन–पाकिस्तान संबंधों के विकास के लिए "संयुक्त रूप से एक खाका तैयार करेंगे।" सोमवार को पाकिस्तान में चीनी राजदूत जियांग जेदोंग ने कहा कि दोनों नेताओं के मार्गदर्शन और दोनों देशों की जनता के मजबूत समर्थन से शरीफ की चीन यात्रा पूरी तरह सफल होगी और चीन–पाकिस्तान संबंधों के विकास में मील का पत्थर बनेगी।

इजराइल सेना ने चार और बंधकों की मौत की पुष्टि की, मरने वालों में तीन बुजुर्ग

इजराइल की सेना ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए चार और लोगों की मौत होने की पुष्टि की है, जिनमें तीन बुजुर्ग शामिल हैं। हमास की ओर से जारी किए गए वीडियो में ये लोग रिहाई के लिए भीख मांगते नजर आए थे। अधिकारियों ने बताया कि इन तीन व्यक्तियों की पहचान अमीरम कूपर, योराम मेट्जगर और हैम पेरी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ये सभी 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के थे।

अमेरिका में लापता भारतीय छात्रा मिल गई, सुरक्षित है : पुलिस

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में पिछले सप्ताह लापता हुई 23 वर्षीय भारतीय छात्रा का पता लगा लिया गया है और वह सुरक्षित है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बर्नार्डिनो (सीएसयूएसबी) की छात्रा नितीशा कंडुला 28 मई को लॉस एंजिल्स में लापता हो गई थी। सीएसयूएससी के पुलिस प्रमुख जॉन गुटिएरेज़ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह मिल गई है और सुरक्षित है। गुटिएरेज़ ने पोस्ट में कहा, दिनांक 28 मई, 2024 को लॉस एंजिल्स में लापता हुई छात्रा मिल गई है और वह सुरक्षित है। पुलिस ने नितिशा को ढूंढने के लिए जनता से मदद मांगी थी तथा लोगों से आग्रह किया था कि अगर उनके बारे में कोई जानकारी हो तो वे अधिकारियों से संपर्क करें। बताया जाता है कि नितीशा हैदराबाद की रहने वाली है।

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य समझौता स्थगित करने का फैसला लिया

दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरिया के साथ एक विवादास्पद सैन्य समझौते को निलंबित करने को मंजूरी दे दी है। यह एक ऐसा कदम है जिससे वह उत्तर कोरिया के उकसावे पर सख्त प्रतिक्रिया दे सकेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले दक्षिण कोरिया द्वारा कुछ पर्चे भेजे जाने के जवाब में उत्तर कोरिया ने सीमा पार कचरा ले जाने वाले गुब्बारे उड़ाए थे। मंगलवार को दक्षिण कोरिया की कैबिनेट काउंसिल ने सीमा पर सैन्य तनाव को कम करने के लिए 2018 के अंतर–कोरियाई समझौते को निलंबित करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव पारित किया।

इस्राइल ने की हमास की कैद में चार बंधकों की मौत की पुष्टि, युद्धविराम समझौते का दबाव बढ़ा

इस्राइल ने सोमवार को गाजा में बंधक बने चार लोगों की मौत हो जाने की घोषणा की। पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा उल्लेखित युद्ध विराम और बंधक रिहाई समझौते की योजना पर संदेह और अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ता जा रहा था। यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुक्रवार को इस्राइल की तीन चरणीय योजना बताई थी। दरअसल इस्राइल पर युद्ध विराम समझौते, बंधक रिहाई समझौते को लेकर दबाव बनाया जा रहा है। वहीं इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय

से जारी बयान के अनुसार 7 अक्तूबर को जारी हुआ यह युद्ध तब तक जारी रहेगा। जब तक कि वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच जाते। वे हमास की सैनय और शासन क्षमताओं का विनाश चाहती है। विकसित देशों के समूह जी–7 के बयान के अनुसार वे जो बाइडन के प्रस्तुत किए गए समझौते का पूरी तरह समर्थन करते हैं। हमास ने इसे स्वीकार करने का आह्वान किया है। इस्राइल की सेना ने 7 अक्तूबर को गाजा में बंधक बनाए गए चार लोगों की मृत्यु की घोषणा की। जो कि चौम पेरी, योराम मेट्जगर, अमीरम कूपर और नादाव पोपलवेल हैं। वहीं ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा कि उन्हें इस्राइली–ब्रिटिश पॉपलवेल की मृत्यु पर बहुत दुख है। उन्होंने यह भी कहा कि हम हमास से सभी बंधकों को वापस भेजने की मांग दोहराते रहे हैं। वहीं इस्राइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि हमारा आंकलन है कि वे चारों हमास के खिलाफ हमारे अभियान के दौरान मारे गए।

बलूचिस्तान की कोयला खदान में दम घुटने से 11 श्रमिकों की मौत

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के बाहर संजादी कोयला खदान में सोमवार को दम घुटने से कम से कम 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रांत के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल घानी ने पुष्टि की कि खदान

में घातक मीथेन गैस के कारण दम घुटने से 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। संजादी क्वेटा से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। घानी ने कहा, सभी श्रमिक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात के रहने वाले थे। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं और उन्हें दफनाने के लिए उनके गृहनगर भेजा जाएगा। पाकिस्तान में खनन कार्य खतरनाक कार्य स्थितियों के लिए बदनाम है।

चीन ने अपने दो नागरिकों पर ब्रिटेन के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया

ताइपे। चीन ने सोमवार को दो चीनी नागरिकों पर ब्रिटेन के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया। दोनों देशों के बीच संबंधों के असहज होने के बीच यह घटनाक्रम हुआ। सोशल मीडिया पर एक संदेश में, चीन की मुख्य खुफिया सेवा, सुरक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने एक बड़े जासूसी मामले का खुलासा किया है, जिसमें एक दंपति शामिल है। उन्हें ब्रिटेन की विदेशी खुफिया एजेंसी 'एमआई–6' द्वारा कथित तौर पर भर्ती किया गया था तथा उनकी पहचान केवल उनके उपनाम वांग और झोऊ के रूप में हुई है। मंत्रालय ने कहा कि वांग 2015 में छात्र के तौर पर ब्रिटेन गया था और बाद में उसकी पत्नी भी उसके साथ रहने लगी। मंत्रालय ने कहा कि वांग को होटल में कमरे, देशभर की यात्राओं के खर्च और वित्तीय प्रोत्साहन दिए गए थे। इसने कहा कि दंपति चीन सरकार के लिए एक एजेंसी में काम करता था और सरकारी गोपनीय दस्तावेजों की देखरेख करता था, जिसे वे एमआई–6 को देते थे। मंत्रालय ने कहा कि मामले की अभी भी जांच चल रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के प्रवक्ता डेव पेरेस ने कहा कि "अपनी खुफिया एजेंसियों के काम पर टिप्पणी नहीं करना ब्रिटेन की नीति रही है।" ये आरोप हाल ही में ब्रिटिश अभियोजकों द्वारा कई लोगों पर चीनी अधिकारियों के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के आरोप के बाद लगाए गए हैं।

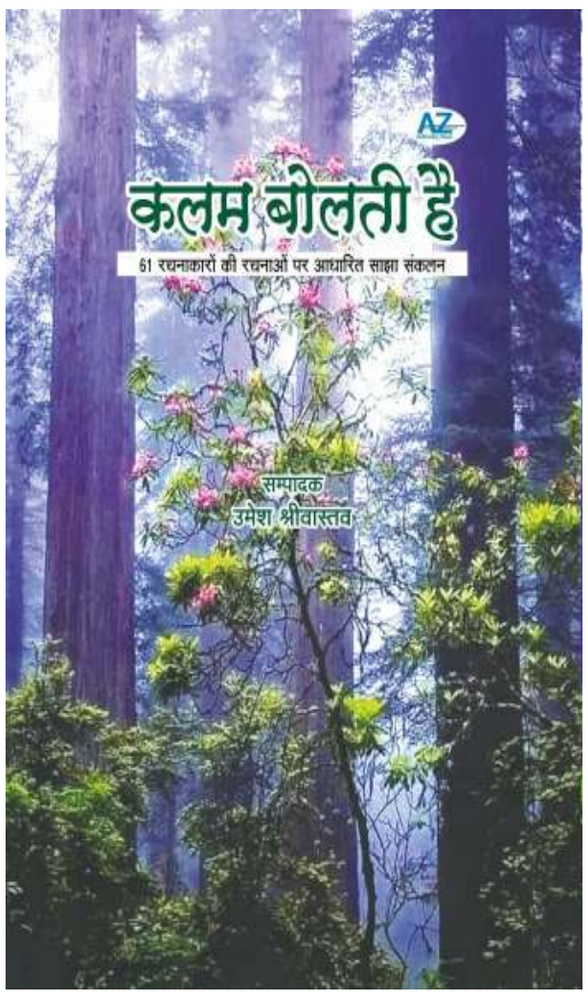

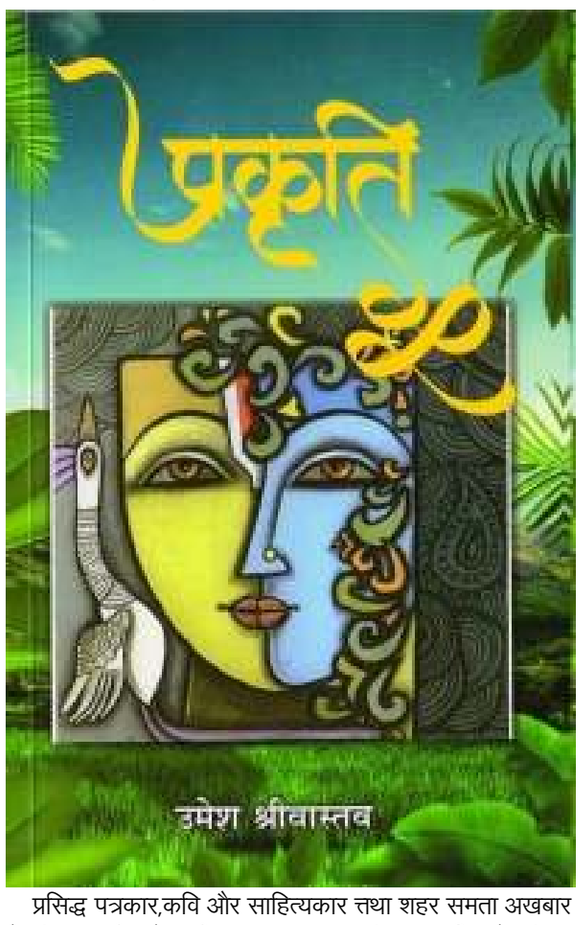

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

चंद्रमा की सुदूर सतह से पत्थर, मिट्टी के नमूने लेकर रवाना हुआ चीन का अंतरिक्षयान

चीन का कहना है कि चंद्रमा के सुदूर हिस्से से पत्थर और मिट्टी के नमूने लेकर एक अंतरिक्षयान चंद्र सतह से वापस पृथ्वी पर आने के लिए रवाना हो गया है। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन ने कहा कि चांग ई–6 अंतरिक्षयान के 'एसेंडर' ने बीजिंग के समयानुसार मंगलवार को सुबह उड़ान भरी और उसने चंद्रमा के पास पहले से निर्धारित कक्षा में प्रवेश किया। इस अंतरिक्षयान को पिछले महीने प्रक्षेपित किया गया था और इसका 'लैंडर' रविवार को चंद्रमा की एक सुदूर सतह पर उतरा। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अंतरिक्ष एजेंसी के हवाले से बताया कि अंतरिक्षयान ने योजना के तहत यान के 'एसेंडर' के अंदर रखे एक कंटेनर में नमूने एकत्रित किए। इस कंटेनर को एक 'री–एंट्री कैप्सूल' में रखा जाएगा जो 25 जून के आसपास चीन के आंतरिक मंगोलिया क्षेत्र के रेगिस्तान में पृथ्वी पर उतरेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

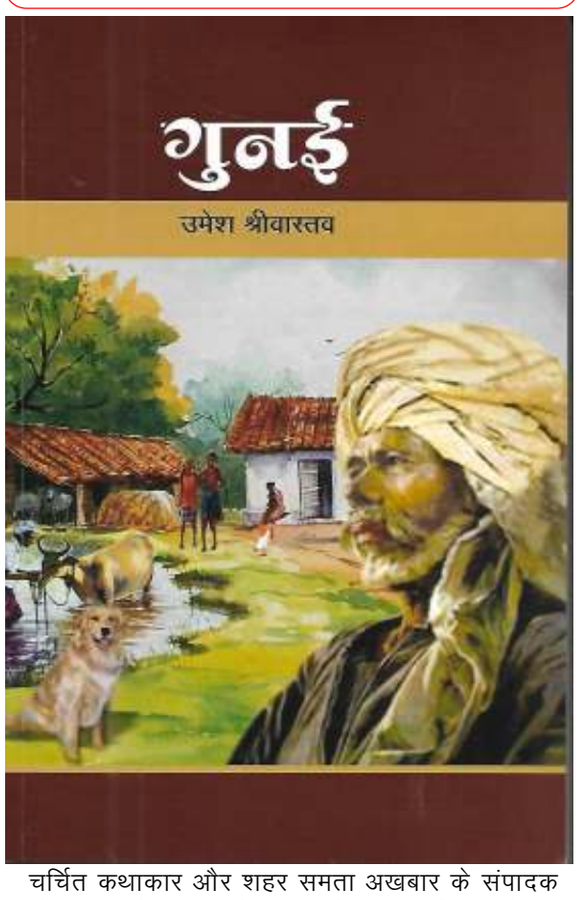

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

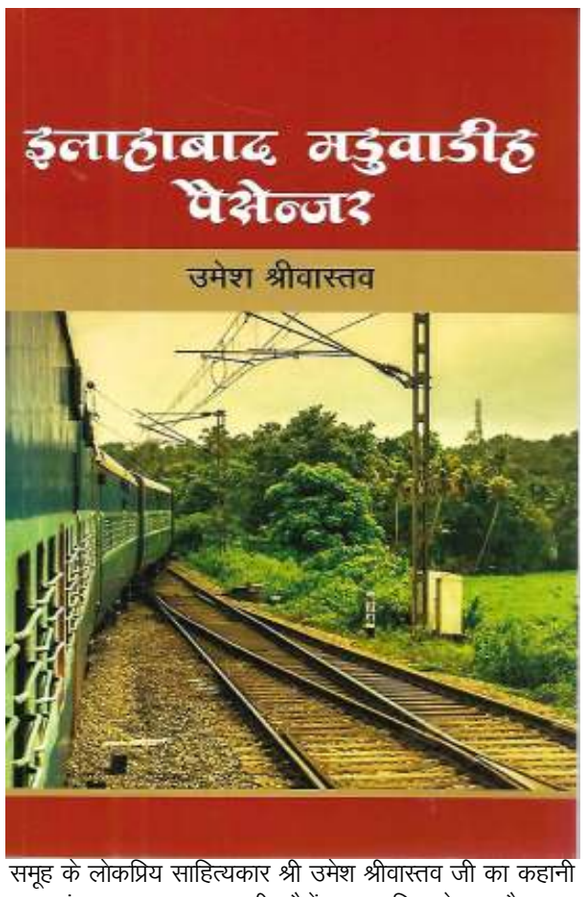

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

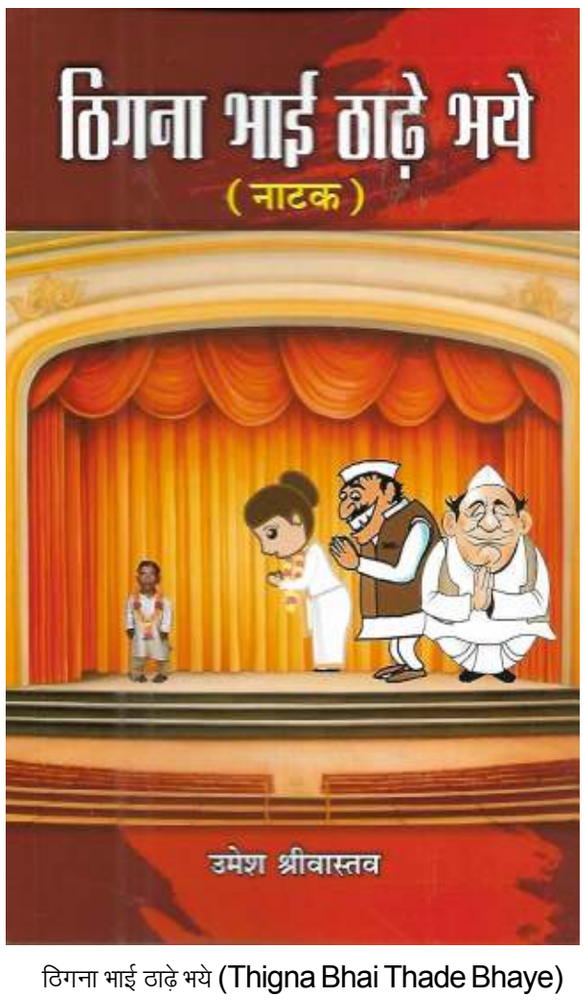

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)